घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 106- रविवार 15- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्रधानमंत्री मोदी ने दी ब्रह्मपुत्र पर 6-लेन पुल की सौगात.....

देश का बुरा सोचने वाले को कांग्रेस कंधे पर बैठाती है : पीएम मोदी

गुवाहाटी,14 फरवरी 2026। असम में इस साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी असम के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। यह पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है और पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है। यह 6-लेन का आधुनिक पुल करीब 3,030 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसके बनने से गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटकर सिर्फ 7 मिनट रह जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। गुवाहाटी में कहा...कांग्रेस ने देश को खतरे में डालकर रखा था। कांग्रेस ने जब भी सेना के लिए हथियार खरीदे,उसका मतलब हजारों करोड़ का घोटाला था। उन्होंने कहा...आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं। पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे थे। इसके बाद वे वायुसेना के सी-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर लैंडिंग की। मोदी ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने।

कांग्रेस के राज में असम को तरसाया गया : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने गुवाहाटी के खानापारा में वेटनरी कॉलेज फील्ड में भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं की एक जनसभा को भी संबोधित किया। जहां उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साझा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में असम को तरसाया गया। पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ दिन पहले ही देश का बजट आया है। बजट के बाद असम, पूर्वोत्तर का मेरा यह पहला दौरा है। जिस पूर्वोत्तर को कांग्रेस ने हमेशा नजरअंदाज किया हम उस पूर्वोत्तर की भक्ति भाव से सेवा कर रहे हैं। पूर्वोत्तर हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है, इस वर्ष का बजट अष्टलक्ष्मी के लिए भाजपा, एनडीए के विजन को और मजबूती देने वाला है। बजट में बहुत अधिक फोकस पूर्वोत्तर को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भाजपा का कार्यकर्ता परिश्रम की पराकाष्ठा करता है, उसके कारण भाजपा आगे बढ़ती है। मैं गर्व से कहता हूं कि मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण बात यही है कि नरेंद्र मोदी भाजपा का कार्यकर्ता है। आज भाजपा जहां पहुंची है उसका श्रेय अगर किसी को मिलता है तो वह सिर्फ और सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं को मिलता है। हमारा विश्वास संगठन में है, हम राष्ट्र जीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति मानते हैं और इसलिए इतनी बड़ी तादाद में जमीन की जड़ों से जुड़े कार्यकर्ताओं का दर्शन करना अपने आप में बहुत बड़ा सौभाग्य है।

पीएम बोले...आपके प्यार को ब्याज समेत विकास करके लौटाऊंगा

पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति, वोट बैंक की नीति, कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक के चश्मे से देखा। कांग्रेस के समय केंद्र की योजनाओं को असम तक पहुंचने में कई साल लग जाते थे। भाजपा ने नार्थ ईस्ट के विकास को हमेशा प्राथमिकता दी। पीएम ने कहा- पिछले 12 साल में जब भी कोई नई शुरुआत हुई तो उसका फायदा नार्थ ईस्ट को मिला। वंदे भारत शुरू हुई तो असम नार्थ ईस्ट कनेक्ट हो गया। स्लीपल वंदे भारत भी असम से शुरू हुई सेमीकंडक्टर प्लांट भी असम में बन रहा है। असम की चाय की तरह असम में बनी चिप्स की पूरी दुनिया में चर्चा होगा। चाय से लेकर चिप्स तक असम की विकास यात्रा दिखाई देती है। प्रधानमंत्री ने कहा- असम का ये प्यार मैं कैसे भूल सकता हूं। मैं असम से वादा करता हूं, आपने मुझे जो प्यार दिया मैं उसे ब्याज समेत विकास करके लौटाऊंगा।

भाजपा सरकार ने ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए

प्रधानमंत्री ने कहा... 2014 में मुझे देश की सेवा का अवसर मिला। उसके 2 साल बाद आप सभी ने यहां डबल इंजन सरकार बनाई। यहां भाजपा सरकार ने ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए। कांग्रेस की 70 साल की सत्ता में 3 पुल बने हमने 10 साल में 5 पुल बनाए। कांग्रेस ने असम को समस्या दी हमने समाधान दिए। प्रधानमंत्री ने कहा- इस ब्रिज का नाम प्राचीन कामरूप के सम्राट कुमार भास्कर बर्मन के नाम पर रखा गया है। ये ब्रिज बताता है कि तेज विकास करती है और विरासत को आगे बढ़ाती है। इसके बनने से गुवाहटी देश का नया ग्रोथ सेंटर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

केंद्र सरकार ने असम को 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दिए : मोदी

पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं। उन्होंने कहा- जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कर सकती है। कभी भी नहीं कर सकती है। आपका भला कर सकती है युवाओं का भला , किसानों का गांव का भला कर सकती है।

केंद्र ने रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी...

नई दिल्ली,14 फरवरी 2026। केंद्र सरकार ने रेलवे की 18,509 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को शनिवार को मंजूरी प्रदान की। इन परियोजनाओं में कासारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन, दिल्ली-अंबाला तीसरी और चौथी लाइन तथा बल्लारी-होसपेटे तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहां पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से रेलवे की लाइन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये परियोजनाएं दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों को कवर करेंगी और भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 389 किलोमीटर की वृद्धि करेंगी। परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 18,509 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्य के दौरान लगभग 265 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। वैष्णव ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एकीकृत योजना और मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी तथा लगभग 3,902 गांवों

(करीब 97 लाख आबादी) को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। इन परियोजनाओं से भवली बांध, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, माता वैष्णो देवी कटरा/श्रीनगर तथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हम्पी सहित कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर होगा। मंत्री ने कहा कि ये मार्ग कोयला, इस्पात, लौह अयस्क, सीमेंट, चूना पत्थर/बॉक्साइट, कंटेनर, खाद्यान्न, चीनी, उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्षमता विस्तार से 96 मिलियन टन प्रति वर्ष अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम है। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, लगभग 22 करोड़ लीटर तेल आयात में बचत होगी और 111 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

राहुल का आरोप..ट्रेड डील से कपास किसानों को नुकसान

सोशल मीडिया पोस्ट में बोले...व्यापार समझौता आगे कुआं,पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल

नई दिल्ली,14 फरवरी 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील से कपास उगाने वाले किसानों और कपड़ा उद्योग पर उल्टा असर पड़ेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को अपने वीडियो पोस्ट में राहुल ने आरोप लगाया कि 18% टैरिफ बनाम 0% समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं, और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।

राहुल बोले...बांग्लादेश भारत से कपास आयात बंद कर सकता है...

पोस्ट में राहुल ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0% टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है-शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। राहुल ने बताया कि भारत के गारमेंट्स पर 18% टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया-अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।

आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई और, ये कैसी नीति है क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है-या फिर 'आगे कुआं, पीछे खाई' की हालत में फंसाने वाला जाल पोस्ट में राहुल बोले अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते,तो हमारा टेक्स टाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा। और, अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। भारत में टेक्सटाइल उद्योग और कपास की खेती आजीविका की रीढ़ हैं। करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना। एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स - दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती। लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र 'सरेंडर' मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।

राहुल गांधी किसानों और कपड़ा निर्यातकों के बीच भ्रम फैला रहें : पीयूष गोयल

केन्द्रीय वाणिज्य उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। कपड़ा निर्यातकों और कपास उत्पादक किसानों को लेकर दिए बयान का खंडन करते हुए मंत्री ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी देश के किसानों और कपड़ा निर्यातकों के बीच भ्रम फैला रहे हैं। पीयूष गोयल ने मुंबई में एक पत्रकार वार्ता में राहुल पर निशाना साधा और इसे अपने एक्स अकाउंट से भी साझा किया। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। यह देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास है। कपड़ा उद्योग को लेकर राहुल के बयान पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि 38 विकसित देशों को शामिल करने वाले हमारे 9 मुक्त व्यापार समझौतों ने 45 लाख करोड़ रुपये के संभावित वस्त्र बाजार के द्वार खोल दिए हैं। देश आज 4 लाख करोड़ रुपये के वस्त्रों का निर्यातक है। इससे किसानों और कपड़ा व्यापारियों को लाभ मिलेगा। साथ ही लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

महाकाल से खाटूश्याम जी जा रहे रहे 5 श्रद्धालुओं की चाकसू के पास सड़क दुर्घटना में मौत

जयपुर,14 फरवरी 2026। कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में महिला सहित 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा चाकसू के टिगरिया मोड़ के पास सुबह करीब 5:30 बजे हुआ, जब तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और शव बुरी तरह गाड़ी में फंस गए। चाकसू थाना एसएचओ मनोहर लाल मेघवाल के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

महाकाल दर्शन के बाद खाटूश्यामजी जा रहे थे

पुलिस के मुताबिक मृतक सभी लोग मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी थे। वे उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में दर्शन करने के बाद सीकर के खाटूश्यामजी मंदिर के लिए रवाना हुए थे। मृतकों की पहचान रेशमा श्रीवास्तव (55) पत्नी अखिलेश श्रीवास्तव, पीयूष राय पुत्र राजेश राय, रजक राहुल पुत्र बबलू रजक, ड्राइवर अनुराग (25) और शानू के रूप में हुई है।

हाईवे पर लगा जाम

हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दुर्घटना थाना टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त कार और ट्रेलर को हटाकर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस ने सभी शवों को चाकसू उपजिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पिछले एक दशक में स्वास्थ्य खर्च का बोझ कम हुआ : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 14 फरवरी 2026। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा शनिवार को जौलीग्रांट स्थित स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न संकायों में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में स्वास्थ्य सेवाओं पर जेब से होने वाले खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है जिससे परिवारों, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर वित्तीय बोझ कम हुआ है। भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा रिपोर्ट किए गए रुझानों के अनुरूप निरंतर वेक्टर-जनित रोग नियंत्रण प्रयासों के माध्यम से मलेरिया के मामलों और मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने व्यापक

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के महत्व का उल्लेख करते हुए बताया कि देशभर में 1.82 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर नागरिकों के लिए प्राथमिक संपर्क बिंदु के रूप में चल रहे हैं। इनमें से 50,000 केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के तहत प्रमाणित किया जा चुका है और निकट भविष्य में यह संख्या एक लाख तक करने का लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत केवल एक शैक्षणिक पड़ाव नहीं, बल्कि जीवन की नई यात्रा की शुरुआत है। डिग्री के साथ मानव निर्माण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल के अगले 25 वर्ष विकसित भारत के निर्माण के निर्णायक वर्ष होंगे, जिनमें आज के युवा साक्षी ही नहीं, कर्ताधर्ता भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की ताकत अंततः इसके चिकित्सा पेशेवरों की प्रतिबद्धता, सक्षमता और करुणा पर निर्भर करती है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान मानव सेवा, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत और स्थिर अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्धियों को रेखांकित किया। समारोह में उपस्थित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की युवा शक्ति राज्य की सबसे बड़ी ताकत है और स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय ने शिक्षा, चिकित्सा और जनसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, टेलीमेडिसिन, पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में केंद्र सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का उल्लेखनीय सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ''प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखंड के तीसरे दशक' की अवधारणा के अनुरूप उत्तराखंड में विकास कार्य संपादित किया जा रहे हैं। उन्होंने रिवर्स पलायन, राज्य के जल-जंगल बचाने के लिए लिए गए ठोस निर्णयों, दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क-बिजली-इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच, पर्यटन विकास, मत्स्य विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हो रहे सकारात्मक बदलावों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और संवेदनशीलता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें।

विधानसभा चुनाव में 60 प्रतिशत मत के साथ पुडुचेरी की 24 सीटें जीतेंगे : शाह

कारैक्कल,14 फरवरी 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पुडुचेरी के कारैक्कल में आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि आगामी 2026 विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 60 प्रतिशत मत हासिल कर पुडुचेरी की सभी 24 सीटें जीतेगा। उन्होंने पुडुचेरी की जनता से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को निरंतर समर्थन देने की अपील की। जनसभा की शुरुआत करते हुए अमित शाह ने तिरुनल्लार के शनिश्वर भगवान और भद्रकाली अम्मन को नमन किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन तमिल भाषा में भाषण न दे पाने के लिए वे क्षमा चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके इस

दौरे के दो प्रमुख उद्देश्य हैं। पहला, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखना और दूसरा, पूर्ववर्ती शासकों की कार्यशैली को उजागर करना। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में पुडुचेरी में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और विकास की नई यात्रा शुरू की गई है। वर्ष 2021 के चुनाव में राजग को 44 प्रतिशत मत मिलने का उल्लेख करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि 2026 में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंचेगा और गठबंधन सभी 24 सीटों पर विजय प्राप्त करेगा। कांग्रेस शासनकाल पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार के दौरान पाकिस्तान से आतंकवादी हमले होते रहे और इसे सामान्य घटना की तरह लिया गया। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले का जिक्र करते हुए शहीद 40 सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पहली बार पाकिस्तान पर हवाई कार्रवाई की गई।

आंध्र प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ का बजट पेश किया

अमरावती,14 फरवरी 2026। आंध्र प्रदेश की सरकार ने शनिवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया। बजट में कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया गया है। राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने बताया कि बजट में कुल 3,32,205 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। राज्य के बजट में राजस्व व्यय 2.56 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय लगभग 54,000 करोड़ रुपये रहने का प्रस्ताव रखा गया है। वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की प्रमुख पहलों में रायलसीमा ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब, विशाखापत्तनम, अमरावती और तिरुपति में शहरी आर्थिक क्षेत्र और आंध्र प्रदेश वेल्थ फंड को शामिल किया। पय्यावुला केशव ने अपने बजट भाषण में कहा कि बजट केवल आंकड़ों का ब्योरा नहीं है, बल्कि यह पांच करोड़ लोगों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक कार्ययोजना है। वित्त मंत्री ने अमरावती के विकास में केंद्र सरकार के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद कहा।

संपादकीय

खतरा बना एंटी बायोटिक का दुरुपयोग

अंततः एएमआर केवल एक चिकित्सकीय समस्या नहीं,बल्कि सामाजिक,आर्थिक और नीतिगत चुनौती है। आज एंटीबायोटिक्स का जिम्मेदार उपयोग ही यह तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियों के पास इलाज के प्रभावी विकल्प बचेंगे या नहीं...

एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) आज दुनिया के सामने खड़े सबसे गंभीर,लेकिन सबसे कम समझे गए या जा रहे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों में से एक है। यह समस्या धीरे-धीरे उपचार के आधार को कमजोर कर रही है। बैक्टीरिया,वायरस,फंगस और परजीवी जब दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं, तब सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। भारत जैसे विकासशील देशों पर इसका असर और भी गहरा है,जहां संक्रमण का बोझ अधिक और स्वास्थ्य संसाधन सीमित हैं।

2019 में दुनिया भर में लगभग 50 लाख मौतें एएमआर से जुड़ी थीं। यदि वर्तमान में हम इसे लेकर जागरूक नहीं हुए और इस पर नियंत्रण नहीं किया,तो भविष्य में यह संख्या प्रतिवर्ष एक करोड़ तक पहुंच सकती है। यह संकट इसलिए भी खतरनाक है,क्योंकि इसके लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं,जब उपचार बेअसर होने लगता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

प्रधानमंत्री मोदी यह कहते रहे हैं कि चिकित्सकीय परामर्श के बिना एंटीबायोटिक का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह अपील इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि आम सर्दी-खांसी,बुखार या वायरल संक्रमण जैसे कई रोग स्वयं ठीक हो जाते हैं,जिनमें एंटीबायोटिक का कोई रोल नहीं होता। इसके बावजूद दवाओं का अनावश्यक और तर्कहीन उपयोग हमारे समाज में आम व्यवहार बन चुका है। इस तरह का अंधाधुंध प्रयोग सूक्ष्म जीवों को और अधिक प्रतिरोधी बनने का अवसर देता है, जिससे भविष्य में जीवन रक्षक दवाएं असरहीन हो सकती हैं।

यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है,क्योंकि जिस गति से सूक्ष्म जीव प्रतिरोधी बन रहे हैं, उस अनुपात में नई एंटीबायोटिक दवाएं विकसित नहीं हो रहीं। पिछले लगभग दो दशकों में एंटीबायोटिक्स की कोई नई प्रमुख श्रेणी सामने नहीं आई है। एक नई एंटीबायोटिक दवा विकसित करना 15 से 20 वर्षों का लंबा, जटिल और अत्यंत महंगा कार्य है। भारी निवेश के बावजूद आर्थिक प्रतिफल सीमित रहता है। यही कारण है कि फार्मास्युटिकल कंपनियां इस क्षेत्र में बड़े निवेश से कतराती हैं।

सरकार ने एएमआर को रोकने के लिए कई स्तरों पर कार्ययोजना बनाई है। राष्ट्रीय कार्ययोजना के तहत निगरानी प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है,ताकि दवा प्रतिरोध के रुझानों पर समय रहते नजर रखी जा सके। एंटीबायोटिक की ओवर-द-काउंटर बिक्री पर नियंत्रण,अस्पतालों में एंटीमाइक्रोबियल स्टूअर्डशिप कार्यक्रम और प्रयोगशाला आधारित जांच को बढ़ावा देना इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं।

धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्यौहार है महाशिवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

भगवान शिव का त्यौहार है महाशिवरात्रि । भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

योगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। हिंदूधर्म में सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है। इस दिन सभी शिव मंदिरों में भीड़-भाड़ का माहौल रहता है। महाशिवरात्रि के दिन सभी भक्त महादेव की कृपा पाने के लिए विधिवत पूजा-पाठ करते हैं। पंचांग के अनुसार शिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर,बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक,धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी

जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं।

पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था,जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा,पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बेल वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बेल के पत्तों को तोडकर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये। एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र,निर्मल तथा कोमल हो गया।

प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा।

महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हमअच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य केरेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन दान धर्म करते है तथा गरीबों को खाना खिलाकर भगवान शिवजी से अपनी सुखी जीवन के लिए प्राथना करते है।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है।

योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

महाशिवरात्रि : आध्यात्मिक उत्कर्ष का पावन पर्व

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

धर्म धुरी पुण्यभूमि भारत व्रत,पर्व, उपवास एवं आध्यात्मिक साधना का क्षेत्र है। यहां हर दिन कोई न कोई त्योहार एवं उत्सव का आयोजन है। उत्सवधर्मी समाज जीवंतता का प्रतीक होता है और सुख,समृद्धि एवं सम्पन्नता का भी। प्राचीन काल से ही भारत का लोकजीवन भौतिकता एवं आध्यामिकता के सबल पंखों के सहारे न केवल दैनंदिन जीवन में विकास एवं विस्तार को गति दी अपितु उन्नति के शिखरों को स्पर्श भी किया; वहीं तप, त्याग,परोपकार एवं आध्यात्मिक जीवन के पथ पर बढ़ते हुए आम जन को लोक कल्याण के सूत्र सौंपे। भारतीय सनातन परम्परा में व्रत,उपवास एवं त्योहार आत्मिक चेतना के सम्बोध, गहन साधना,जीवन की निर्मलता, शारीरिक शुद्धता एवं पवित्रता का माध्यम रहे हैं। सनातन हिंदू मान्यता में मानव जीवन का लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति है। उपासना,जप-तप एवं व्रत तथा साधना एवं जागरण के द्वारा साधक मुक्ति पथ पर अग्रसर होता है। महाशिवरात्रि व्रत एवं साधना व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्कर्ष एवं मोक्षप्राप्ति का पावन अवसर तो है ही,साथ ही जागतिक कल्याण की भावना का सबलीकरण भी है क्योंकि शिव कल्याण करने वाले हैं। शिवत्व वैश्विक कल्याण की जाग्रत भावना है, महाशिवरात्रि में साधक शिवत्व प्राप्त कर जीवन में स्थिरता एवं गम्भीरता की कामना करते हैं। शिवो भूत्वा,शिवम् यजेत् अनुसार साधक भगवान शिव

की आराधना हेतु शिव की कल्याण कारी भावना से ओत-प्रोत हो भक्ति में लीन होते हैं।

महाशिवरात्रि उत्सव फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी-चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। दिन में शिवलिंग का पूजन एवं अभिषेक आदि तथा रात्रि में कीर्तन एवं ध्यान-साधना तथा जागरण के द्वारा शिव आराधना कर आध्यात्मिक दृष्टि से स्वयं को उज्ज्वल, निर्मल मन कर शिवमय हो जाते हैं। शास्त्रों में महाशिवरात्रि का व्रत को 10000 बार गंगा स्नान एवं 100 यज्ञों के समान फलदायी बताया गया है। विभिन्न प्रकार की शिवरात्रि का वर्णन शास्त्रों में मिलता है। नित्य शिवरात्रि, मास शिवरात्रि,प्रथमादि शिवरात्रि तथा महाशिवरात्रि। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भगवान शिव चतुर्दशी तिथि के स्वामी कहे गये हैं और त्रयोदशी के स्वामी कामदेव है। स्कंद पुराण के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन पूजन, ओम नमः शिवाय मंत्र-जाप तथा उपवास करने से मनुष्य जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो परमधाम शिवधाम को प्राप्त होता है। महाशिवरात्रि अज्ञान पर ज्ञान की प्रतिष्ठा का प्रतीक है।

महाशिवरात्रि व्रत करने एवं उत्सव मनाने के संदर्भ में शास्त्रीय परम्परा में कुछ दृष्टांत मिलते हैं। कहा जाता है कि इसी दिन माता पार्वती से भगवान शिव का विवाह हुआ था। उस आनन्द के अनुभव को जीने के लिए व्रत करते हुए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। यह दाम्पत्य जीवन में सुख, शांति, सामंजस्य एवं समृद्धि देने वाला है। देवों एवं दैत्यों की संधि अनुसार सिंधु से रत्नादि प्राप्त करने हेतु समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मंथन के प्रारंभ में कालकूट विष निकला। उसकी ज्वाला की ताप से जीव-जंतु त्राहि-त्राहि करने लगे। देव-दैत्यों में कोई भी उस विष को ग्रहण करने को तैयार नहीं था क्योंकि वह ग्रहण करने वाले को जलाकर नष्ट करने वाला था। सामर्थ्यहीन देव-दैत्यों की प्रार्थना पर भगवान शिव ने कालकूट हलाहल को अपने कंठ में धारण कर लिया और समस्त चराचर जगत का कल्याण किया। उस दिन को शिवरात्रि नाम से जाना जाने लगा। विष के ताप से शांति एवं विष शमन हेतु शिव उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड अंतर्गत बांदा जनपद के कालिंजर पर्वत में विराजमान हुए। अभी भी वहां स्थापित शिवलिंग सदृश मूर्ति के गले से जल स्राव हो रहा है, गले पर हथेली या कोई कपड़ा और कागज रखकर अनुभव किया जा सकता है। एक कथा प्रसंग में आता है कि एक बार विष्णु और ब्रह्मा में विवाद हो गया कि कौन बड़ा है। कोई निर्णय नहीं हो पा रहा था, तब धरा-गगन मध्य अनंत अंतरिक्ष में एक विशाल अग्नि स्तंभ प्रकट हुआ और उद्घोष किया कि जो मेरा आदि-अंत खोजकर पहले आएगा, वही बड़ा होगा। विष्णु और ब्रह्मा में कोई उस अग्नि स्तम्भ का आदि-अंत न पा सका, तब अग्निस्तंभ शिवलिंग रूप में प्रतिष्ठित हो भगवान शिव महादेव कहलाए।

भगवान शिव लोक कल्याण के लिए द्वादश ज्योतिर्लिंग के रूप में विद्यमान हैं,जो इस प्रकार हैं:- सोमनाथ(गुजरात),मल्लिकार्जुन (श्रीशैलम,आंध्रप्रदेश),महाकालेश्वर (उज्जैन,मध्यप्रदेश),ओंकारेश्वर (ओंकारेश्वर,मध्यप्रदेश),केदारनाथ (रुद्रप्रयाग,उत्तराखंड),भीमाशंकर (पुणे के पास,महाराष्ट्र),काशी विश्वनाथ (वाराणसी,उत्तर प्रदेश), त्र्यंबकेश्वर (नासिक,महाराष्ट्र), वैद्यनाथ (देवघर,झारखंड),नागेश्वर (द्वारका,गुजरात),रामेश्वरम (तमिलनाडु),घृष्णेश्वर महादेव (औरंगाबाद,महाराष्ट्र)। महाशिवरात्रि के अवसर पर हम सभी भगवान शिव का पूजन,अभिषेक,जप एवं व्रत-उपवास कर आध्यात्मिकता के पथ पर सतत गतिमान रहें।

बुराई को त्यागने का संदेश है महाशिवरात्रि

डॉ .सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव,छत्तीसगढ़

बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद पाने के लिए किया जाने वाला महाशिवरात्रि का पर्व क्या केवल अन्य पर्वों की तरह ही महत्व रखता है ? यह प्रश्न उठना लाजिमी है । कारण यह कि अन्य देवताओं से पूरी तरह भिन्न आवरण रखने वाले बाबा भोले नाथ बड़ा ही साधारण जीवन चक्र प्रस्तुत करते हैं । महलों से दूर श्मशान में वास करने वाले शिवशंकर अपनी योग मुद्रा के लिए भी पर्वत को अपना आसन बना लेते हैं ! यदि यह कहा जाए कि संसार का संचालन करने वाले शिव जी के नाम से जानी जाने वाली महाशिवरात्रि एक त्यौहार ही नहीं वरन आत्म जागरण और चेतना के विस्तार की परम पावनी रात्रि है,तो गलत नहीं होगा। इस महान रात्रि में अज्ञानता के अंधकार को दूर करने की अकाट्य शक्ति समाहित है । ज्ञान के प्रकाश को आत्मसात करने,ध्यान, उपवास और शिव स्मरण के माध्यम से मनुष्य आंतरिक शांति जैसी दुर्लभ शक्ति को प्राप्त कर सकता है । यह रात मनुष्य के जीवन में आंतरिक विकारों और नकारात्मकता को मिटाकर सकारात्मकता का बीजारोपण करने वाली मानी जाती है । इसी पर्व में रातभर पूजन का आध्यात्मिक अर्थ अज्ञान की नींद से जागरण का संदेश देता नजर आता है । भगवान भोलेनाथ जिन्हें हम संहारक कहकर पूजते हैं,वे ही हमारे भीतर बसे क्रोध,काम , मोह,लोभ जैसे विकारों का अंत करते हैं । रात के सन्नाटे में ध्यान केंद्रित करने से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होने लगता है ।

महाशिवरात्रि के पर्व पर रातभर जागरण कर पूजा-अर्चना करने की परंपरा की सच्चाई समझने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण किया जाना भी संदर्भित है । ऐसे संदर्भ मिलते हैं कि महाशिवरात्रि की रात को पृथ्वी की ऊर्जा का प्रवाह ऊपर की ओर होता है । इस रात रीढ़ की हड्डी सीधी रखने से ऊर्जा,ध्यान और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ाने में मदद मिलती है। जब हम ध्यान अथवा योग मुद्रा में होते हैं , तब हमारा शारीर पूरा सीधा और उर्ध्वगामी होता है, जिससे हमारे शरीर,विशेष कर पीठ और गर्दन के दर्द में आराम का अनुभव होता है । वास्तव में देखा जाए तो महाशिवरात्रि स्वयं के भीतर शिवत्व को जगाने का कल्याणकारी पर्व है। इस पर्व का सबसे बड़ा संदेश नकारात्मकता को शिव में समाहित करने और प्रकाशमय तथा उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है । हमने अपने पूर्वजों से शिव पूजा का विधान जाना है । शास्त्रों में भी शिव पूजा का विधान अन्य देवी- देवताओं से अलग प्राप्त होता है । हमने जब से होश संभाला है-भगवान शिव की पूजा-उपासना और

उन्हें प्रसन्न करने के लिए पूजन सामग्री को अलग रूप में देखा है। जंगली फूलों से लेकर उनमें लगने वाले फल आदि शिवशंकर को अर्पित करने का रिवाज चला आ रहा है ! ऐसा माना जाता है कि भगवान भोलेनाथ पर विकारों,विषय -वासनाओं एवं बुरी आदतों को अर्पित कर उनका अपने जीवन से त्याग कर देना चाहिए ।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिव जी की बारात निकाला जाना इन दिनों लगभग सभी छोटे - बड़े शहरों में प्रचलन के रूप में सामने आ रहा है । शिवजी के भक्तों को यह जान लेना चाहिए कि शिवजी की बारात में देव -दानव,मनुष्य,प्रेत-पिशाच प्रतीकात्मक रूप में क्यों शामिल किए जाते हैं ? कहा जाता है कि इस तरह की बारात यह संदेश देती है कि भगवान भोलेनाथ प्राणियों से लेकर भूत -प्रेतों के बीच भी किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करते । वे सभी को स्नेह और कल्याण की दृष्टि से ही निहारते हैं । महाशिवरात्रि के अवसर पर हम भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के उपलक्ष्य में निकाली गई जिस बारात का दर्शन करते हैं वह अपने आप में दिव्य हुआ करती है । अत्यंत ही अनोखे रूप में शोभायात्रा का दृश्य ऐसा आभास कराता है मानो कुछ घंटों के लिए मृत्युलोक शिवधाम में परिवर्तित हो गया हो । शिव पुराण का अध्ययन हमें यह जानकारी प्रदान करता है कि जब शिव जी विवाह के लिए प्रस्थान करने लगे तो उनके गणों (भूत-प्रेत,यक्ष और गंधर्व) ने भी बारात में शामिल होने की इच्छा प्रकट की । संसार के पालक भगवान विष्णु की सलाह पर ही भोलेनाथ ने उन्हें बारात में शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की । इसके पीछे जो उद्देश्य छिपा था वह यही था कि भगवान के दरबार में सभी को सम्मान प्रदान किया जाता है ।

आज की चकाचौंध कर देने वाली वैवाहिक रस्में हमें महाशिवरात्रि के पर्व से मिलने वाले संदेश से कहीं दूर ले जा रही हैं । हमारा समाज दिखावे और धन-दौलत का प्रदर्शन कर खुद को संपन्नता के करीब बताना चाहता है ! शिव पुराण में आए कथानक हमें बताते हैं कि भगवान भोलेनाथ,जो स्वयं तीनों लोकों के स्वामी हैं ,फिर भी उनके विवाह में किसी प्रकार का आडंबर या दिखावा रत्ती भर नहीं रहा है।खुद भोलेनाथ बैल पर सवार होकर अपने शरीर में भभूत लगाकर विवाह के लिए निकल पड़े! उन्होंने न तो सोने के रथ की चाह रखी और न ही सजने-संवरने में समय गंवाया ! क्या यह कहने से मानवीय समाज परहेज कर सकता है कि शिव जी की बारात न केवल पौराणिक कथा है बल्कि यह एक गहन दार्शनिक संदेश देने वाली शोभायात्रा भी है । उनकी बारात में समाया सादगी भरा संदेश वर्तमान जगत के लिए प्रासंगिक है । महाशिवरात्रि पर निकाली जाने वाली बारात विविधता,समावेशिता,सामाजिक समानता और सभी से सच्चे प्रेम की प्रतीक है ।

वर्तमान समय में जब समाज में भेदभाव और असमानता की चुनौती हमें धिक्कार रही है,तब महाशिवरात्रि पर्व की शोभायात्रा हमें यह कहती प्रतीत होती है कि मनुष्य को सभी के प्रति समान प्रेम भाव को अपने हृदय में स्थान देना चाहिए।भगवान भोलेनाथ जहां विशाल कैलाश के स्वामी हैं वहीं उनकी आत्मा में तपस्वी और सहज देव वाले कोमल हृदय ने भक्तों को हमेशा स्नेह प्रदान किया है।यह भी सर्व विदित है कि माता पार्वती राजकन्या हैं! बावजूद इसके उनके विवाह में भौतिक संपत्ति या सामाजिक स्थिति के लिए कोई स्थान नहीं था! आज की उपभोक्तावादी दुनिया में जहां विवाह और रिश्ते प्रायः धन और बाहरी दिखावे पर आधारित हैं,महाशिवरात्रि का पर्व हमें सच्चे प्रेम और मानवीय मूल्यों को समझने के लिए प्रेरणा देता दिख रहा है । अपने मानवीय समाज को अधिक समतामूलक और सौहार्दपूर्ण बनाने में महा शिवरात्रि का संदेश बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकता है। जरूरत है भगवान भोलेनाथ की तरह सादगी को अपनाने की ।

महाशिवरात्रि:आस्था आत्मचिंतन और आध्यात्मिक जागरण का पावनपर्व

सुधा सिंह
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)

भारत की सनातन संस्कृति में अनेक पर्व मनाए जाते हैं,किंतु महाशिवरात्रि का स्थान अत्यंत पवित्र और विशिष्ट है। यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं,बल्कि आत्म शुद्धि, संयम,तप और भक्ति का महान पर्व है। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाने वाला यह पावन दिन भगवान शिव की उपासना का विशेष अवसर है, इस दिन समस्त हिंदू समाज शिव भक्ति में लीन होकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करता है।

महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्वः-पुराणो के अनुसार ईसी पावन रात्रि में भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। साथ ही यह माना जाता है कि इसी दिन शिवलिंग का प्रथम प्राकटय हुआ था इसलिए यह रात्रि शिव की महान रात्रि के रूप में मानी जाती है।

शिव का अर्थ है कल्याणकारीः- महाशिवरात्रि हमें यह संदेश देती है कि जीवन में कितनी भी कठिनाइयां आए तब भी यदि हम धैर्य संयम और सकारात्मक बनाए रखें तो हर अंधकार के बाद प्रकाश जरूर आता है। भगवान शिव का जीवन हमें यह सिखाता है कि विष को धारण करके भी संसार को अमृत देना एक सच्ची महानता है। शिव की रात्रि शिवरात्रि केवल एक दिन का उत्सव नहीं बल्कि जीवन की सीख है।

युवाओं के लिए प्रेरणा महाशिवरात्रिः-शिवरात्रि कोई आज की या कल की नहीं बल्कि युगों-युगों से पौराणिक काल से ही मनाए जाने

वाली एक पावन पर्व है आस्था है जिसे हम इसलिए भी मानते हैं क्योंकि शिव और पार्वती हमारे जगत पिता और जगत जननी माता है और यह वैवाहिक उत्सव हमें यह सिखाता है कि यह उत्सव केवल एक रात कि नहीं बल्कि जीवन भर पति और पत्नी को हर कदम पर एक दूसरे के साथ रहने की,एक दूसरे का ख्याल रखने की,और एक दूसरे के सुख-दुख दोनों मे साथ खड़े रहने का नाम है। एक दूसरे को बराबरी का सम्मान देने का नाम है,यदि शिवरात्रि से कुछ सीख लेना हो तो जीवन साथी के साथ ईमानदार रहे उसे बराबरी का अधिकार दें।

व्रत,उपवास और साधना का संदेशः-इस दिन भक्तजन व्रत रखते हैं उपवास करते हैं रात्रि जागरण करते हैं और शिवलिंग पर जल,दूध,बेलपत्र आदि अर्पित करते हैं यह केवल बाहरी पूजा नहीं बल्कि आत्म शुद्धि का प्रतीक है। उपवास का अर्थ केवल भोजन त्याग नहीं,बल्कि नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर आत्म चिंतन करना है, रात्रि जागरण यह दर्शाता है कि हमें अज्ञान के अंधकार से जाग कर ज्ञान के प्रकाश की ओर आगे बढ़ना है।

सामाजिक समरसता का पर्वः- महाशिवरात्रि का पर्व समाज में एकता और समरसता को भी बढ़ावा देता है मंदिरों में सभी वर्गों के लोग एक साथ पूजा अर्चना करते हैं यह पर्व हमें सिखाता है कि ईश्वर की दृष्टि में सभी समान है। जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता का संदेश देना ही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य है। महाशिवरात्रि का पर्व हमें यह प्रेरणा देती है कि,हम अपने जीवन से अहंकार,क्रोध और लोभ जैसे नकारात्मक गुणो का त्याग करें और प्रेम करुणा तथा सत्य को अपनाएं। यह पर्व आत्मबल, श्रद्धा और सकारात्मकता का प्रतीक है हमारे पूरे भारतवासी को महाशिवरात्रि की ढेर सारी शुभकामनाएं

महाशिवरात्रि

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई, तमिलनाडु

शुभ दिन आया बजी शहनाई,
भक्तों को बहुत-बहुत बधाई,
देखो दुल्हन सी सजी महामाई,
नज़र उतारे बार-बार मैना माई ।
लाल जोड़ा चमके खनके कलाई,
विवाह गीत मधुर-मधुर देते सुनाई,
हाथों-पांवों में लाल मेहंदी लगाई,
गौरा ने पायलिया छम-छम बजाई ।
बनेंगे शिव जी हिमाचल के जमाई,
बरातियों ने धमाल धम-धम मचाई,
महाशिवरात्रि की पावन तिथि आई,
बोल हरहर महादेव बम बम गुंजाई ।
भक्तों ने आज आनंद खुशियाँ पाई,
प्रकृति भी देखो संग-संग मुस्कुराई,
देवी-देवों ने आशीष की झड़ी लगाई,
नभ से पुष्प वर्षा रिमझिम कराई ।
लीला अद्भुत माँ महादेव ने दिखाई,
सारे कष्टों से मुक्ति झट-पट दिलाई,
महाशिवरात्रि की महिमा हमें बताई,
अंतस दिव्य ज्योति जगमग जगाई ।

शिवरात्रि आयी

अनिल कौशिक
क्योड़क,कैथल
हरियाणा

भक्तों आयी शिवरात्रि ।
पावन पर्व सुखदात्री ।।
शिवरात्रि का व्रत रखेंगे।
जय भोले गुणगान करेंगे।।
शिव नहाये गंगाजल अभिषेक।
शिव शक्ति हरे के नाम अनेक।।
शोभा शिवालय की कही न जाए।
भांग धतूरा बेल पत्र श्रद्धा चढ़ाएं।।
गणेश कार्तिक शिव गौरी साजे।
गणनायक नंदी द्वार पहरा राजे।।
झूम झूम नर नारी बाल वृंद नाचे।
नारद वीणा ढोल मृदंग भी जांचे।।
शिवलोक नजारा धरती पर आए।
अचंभित देवगण फूल बरसाएं।।
पंचाक्षरी मंत्र भक्ति बना श्रृंगार।
मंदिर की शोभा शिव परिवार।।
बम बोल बोल बम शंकर रीझेंगे।
तन मन वर्षा रिमझिम भीगेंगे।।
अनमोल अनुपम बीते पल घड़ी।
भोले की मूरत दिल मांझ जड़ी।।
सत्य शिव सुंदर सफर सुहाना।
शिव शंकर को भूल मत जाना।।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

मैनपाट महोत्सव 2026 : प्रकृति,संस्कृति और विकास का संगम

छत्तीसगढ़ी लोकगायक एवं स्थानीय प्रतिभाओं ने बिखेरा हुनर का जलवा

भोजपुरी मशहूर गायक ने मनोज तिवारी की प्रस्तुतियों ने बाँधा समां

भोजपुरी गायक मनोज तिवारी ने भोजपुर गीतों के साथ साथ छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट सज रहा है जिले के विकास कार्यों की सौगात का किया उल्लेख

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के पर्यटन स्थल मैनपाट के रोपाखार जलाशय के समीप आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 का शुभारंभ भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विकास की प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ। प्रकृति की गोद में आयोजित इस महोत्सव ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, स्थानीय प्रतिभाओं और राज्य सरकार की विकासपरक सोच का सशक्त प्रदर्शन किया। महोत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में आमंत्रित सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायक मनोज तिवारी ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों में ओ राजा जी ऐकरे त रहल हो हां जरूरत महूरत खुबसूरत हो और रिंकिया के पापा गीतों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने लोकप्रिय भोजपुरी गीतों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट सज रहा है गीत में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिले को प्रदान की गई 500 करोड़ से अधिक की विकास कार्यों की सौगातों का उल्लेख करते हुए,राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों की सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया हमको आज लग रहा है गीत से अभिवादन किया। विकास और संस्कृति के इस संगम ने दर्शकों में उत्साह का संचार किया और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही विशेष धूम : महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर कला, परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने अपनी विविध प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भव्य और यादगार बना दिया। प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को एक अलग सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया और पूरे आयोजन स्थल को उत्साह, उमंग और तालियों की गूंज से भर दिया। रिदम व्हिसल रॉक बैंड की ऊर्जावान शुरुआत कार्यक्रम का शुभारंभ रिदम व्हिसल रॉक बैंड द्वारा लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की आकर्षक प्रस्तुति से हुआ। बैंड के सधे हुए वादन, आधुनिक संगीत संयोजन और जोशपूर्ण अंदाज़ ने शुरुआत से ही माहौल को जीवंत बना दिया। युवा दर्शकों में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। आयुष नामदेव की भावपूर्ण गायकी ने अपनी मधुर एवं सुरीली आवाज़ से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति में सुर, लय और भावनाओं का सुंदर समन्वय देखने को मिला। गीतों की प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे और अंत में जोरदार तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। 'ओडिसी नृत्य की गरिमा ' विधि सेन गुप्ता ने ओडिसी नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर शास्त्रीय नृत्य की उत्कृष्टता को मंच पर जीवंत किया। उनकी सधी हुई मुद्राएँ, आकर्षक वेशभूषा और अभिव्यक्ति की गहराई ने दर्शकों को भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समृद्धि का अनुभव कराया। प्रत्येक भाव में अनुशासन और सौंदर्य का अद्भुत संतुलन दिखाई दिया। कथक की मनमोहक प्रस्तुति आनंदिता तिवारी एवं रित्विका बनर्जी ने कथक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। पांवों की सटीक थाप, सुंदर गति और ताल के साथ सामंजस्य ने शास्त्रीय नृत्य की गरिमा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। दर्शकों ने उनकी प्रस्तुति को भरपूर सराहा। ''शिव तांडव' बना विशेष आकर्षण'आंचल पांडे द्वारा प्रस्तुत 'शिव तांडव' कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति, सशक्त भावा भिव्यक्ति और नृत्य की तीव्र लय ने पूरे पंडाल को भक्ति और शक्ति के भाव से ओत-प्रोत कर दिया। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। गीत-संगीत से सुरमय हुआ वातावरण अमित दास, संतोष जायसवाल एवं अश्विका दास ने विविध गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में मधुरता घोल दी।

उनकी गायकी में लोक और आधुनिकता का सुंदर मेल देखने को मिला, जिससे सभी आयु वर्ग के दर्शकआनंदित हुए। भोजपुरी लोक रंग- भोजपुरी गायिका शीतल यादव ने अपनी सशक्त और प्रभावशाली आवाज़ से लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। उनकी प्रस्तुतियों में ग्रामीण जीवन की झलक और लोकधुनों की मिठास स्पष्ट दिखाई दी, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

छत्तीसगढ़ी लोकधुनों की गूंज...

लोकगायक सुनील सोनी की प्रस्तुति पर दर्शक विशेष रूप से उत्साहित दिखाई दिए। उनकी लोकधुनों और पारंपरिक गीतों ने स्थानीय संस्कृति की आत्मा को मंच पर साकार कर दिया। मोर छाइयां भुइयां की प्रस्तुति पर दर्शक झूमते और साथ गुनगुनाते नजर आए। 'छऊ नृत्य की रोमांचक प्रस्तुति'कार्यक्रम में प्रस्तुत छऊ नृत्य ने रोमांच और ऊर्जा का संचार किया। पारंपरिक परिधानों, मुखौटों और सशक्त शारीरिक मुद्राओं के साथ कलाकारों ने वीरता और लोकगाथाओं का प्रभावशाली मंचन किया। यह प्रस्तुति दर्शकों के लिए अत्यंत आकर्षक और रोमांचकारी रही। स्वप्नील जायसवाल की दमदार प्रस्तुति ने जीता दर्शकों का दिल-सरगुजा संभाग ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके स्वप्नील जायसवाल ने मैनपाट महोत्सव के प्रथम दिवस स्थानीय कलाकार के रूप में अपनी शानदार प्रस्तुति दी। सरगुजा अंचल से निकलकर मुंबई में अपनी गायकी की धाक जमाने वाले स्वप्नील ने मंच पर अपनी सशक्त एवं प्रभावशाली आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पर्यटन संवर्धन और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच

मैनपाट महोत्सव का उद्देश्य न केवल सांस्कृतिक संरक्षण एवं संवर्धन है, बल्कि स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। राज्य शासन के प्रयासों से मैनपाट क्षेत्र में अधोसंरचना विकास एवं पर्यटन सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिलेगी। मैनपाट महोत्सव सरगुजा की सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की नई दिशा का प्रतीक बना है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों की सहभागिता ने आयोजन के शुभारंभ को ऐतिहासिक बनाया।

मोदी सरकार का बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला : राजेश अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

आज स्थानीय पर्पल आर्किड होटल में केंद्रीय बजट 2026-27 अंतर्गत व्यापारी संवाद सम्मेलन सम्पन्न हुआ। भाजपा सरगुजा द्वारा आयोजित व्यापारी प्रकोष्ठ के संभागीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि वक्ता कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज ने संबोधित किया। अपने संबोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह बजट रोजगार,आत्मनिर्भरता, इंफ्रा स्ट्रक्चर,किसानों की आय, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के भविष्य पर केंद्रित है। मोदी सरकार का लक्ष्य है तेज विकास, मजबूत अर्थव्यवस्था और हर वर्ग की भागीदारी।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में सभी उत्पाद एवं वस्तुओं की खपत कई गुना बढ़ा है लेकिन दाम नियंत्रित है। पिछले बजटों की तुलना में रक्षा बजट सहित कई क्षेत्रों के लिए बजटों में भारी बढ़ोत्तरी की गई है । श्री अग्रवाल ने कहा कि इस बजट में छत्तीसगढ़ के लिए जिला मुख्यालय में गर्ल्स हॉस्टल , खनिज कारीडोर, माइनिंग कारीडोर अंर्तगत रेलवे लाइन,शुगर और कैंसर की दवाई सस्ता, आयुर्वेदिक अस्पताल जैसे कई बड़े जनहित के कार्य शामिल हैं । उन्होंने बताया कि सरगुजा सहित छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों को मेडिकल टूरिज्म के रूप में विकसित किया जाएगा जहां देश विदेश से आने वाले टूरिस्ट स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे तथा पर्यटन के क्षेत्र में विकास के लिए बहुत बड़ी बजट का प्रावधान किया जाएगा । मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि अंबिकापुर शहर के लिए अभी हमने 5 सड़कों की मांग की थी वह बहुत जल्द पूरा होने वाला है,जनभावना के अनुकूल शहर के सभी मुख्य सड़क शीघ्र हीं बनेंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि बजट जीवन का महत्वपूर्ण पक्ष है परिवार , समाज एवं देश के विकास सहित जनादेश की भावना को पूर्ण करने का बजट सबसे बड़ा साधन है । उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का केंद्रीय बजट महिला वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया 9 वाँ बजट है , कर्तव्य पथ पर स्थित कर्तव्य भवन में बना है जो देश के सर्वांगीण विकास को ले कर कर्तव्य बोध कराने वाला बजट है , आज मोदी सरकार का लक्ष्य विकसित भारत का निर्माण करना है और यह हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए है , कांग्रेस के लंबे समय सरकार के बाद भारत 10 वे स्थान का अर्थव्यवस्था रहा लेकिन आज 2014 के बाद चौथे स्थान पर है । मनमोहन सिंह श्चद्व के समय देश की वैश्विक स्थिति बहुत दयनीय थी परंतु मोदी जी ने भारत मान देश विदेश में बढ़ाया है । श्री सिसोदिया ने कहा कि जिस प्रकार विभिन्न श्रोतों से प्रकृति वाष्प के रूप में जल ले लेती है,और सामान भाव से सभी को बरसात के रूप में जल देती है वैसा हीं जनता द्वारा दिए गए टैक्स और अन्य श्रोतों जमा राशि मोदी सरकार का बजट है। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को सुदृढ़ करने वाला है। बजट तीन प्रमुख कर्तव्यों आर्थिक विकास, जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति और सबका साथ, सबका विकास पर आधारित है। इंफ्रास्ट्रक्चररिंग, कौशल विकास और उच्च मूल्य इंजीनियरिंग को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित किए गए हैं। एआई को कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रोत्साहन, टैक्स सुधार में राहत तथा निर्यात पर विशेष फोकस से देश की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख व्यापारियों एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। नगर के चर्चित लूट प्रकरण का त्वरित निराकरण करने वाले पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस कर्मियों को मंत्री राजेश अग्रवाल द्वारा 51 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं महामंत्री अरुणा सिंह ने किया तथा आभार रविन्द्र तिवारी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारी बैंक अध्यक्ष रामकिशुन सिंह, बस्तर संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा, अंबिकेश केशरी, मुकेश गर्ग,अभिषेक शर्मा,निष्ठा पाण्डे, करताराम गुप्ता,अजय केशरी, अविनाश सिंह, राजकुमार बंसल, शुभम सिंघल, अमित अग्रवाल,सुनील अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, अभिषेक सिंह, संजय केशरी, दिनेश अग्रवाल, अश्व नंद यादव, संजय गुप्ता, शुभम अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, रंजय स्वर्णकार, बीनू जश्वानी, पंकज गुप्ता, अनूप गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी , भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

महाशिवरात्रि पर धूमधाम से निकलेगी भगवान शिव की बारात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवशंकर कीर्तन मण्डली केदारपुर द्वारा महाशिवरात्रि पर्व 2026 के अवसर पर भगवान शिव की ऐतिहासिक बारात धूमधाम से निकाला जाएगा। यह आयोजन विगत 46 वर्षों चला आ रहा है। इस संबंध में बारात एवं मण्डली के संयुक्त कार्यक्रम प्रभारी भोला नाथ विश्वकर्मा एवं संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि शिव बारात की सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष बारात में शामिल होने वाले भक्तगणों की संख्या में काफी वृद्धि देखी जा रही है, इसे ध्यान में रखते हुए सभी कार्यक्रम निर्धारित किए जा चुके है ताकि यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो तथा किसी भी प्रकार की कोई परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि भगवान शिव की आकर्षक बारात रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर दोपहर 2 बजे शिव मंदिर सहेली गली प्रतापपुर नाका से ढोल, नगाड़े बाजे-गाजे, अबीर गुलाल एवं बम-पटाखों के साथ प्रस्थान करेगी। बारात के दौरान जगह-जगह पर भूत-प्रेत,चुडैल,नाग,गन्धर्व एवं किन्नरों द्वारा बारात का स्वागत किया जाएगा। बारात पूर्व निर्धारित मार्ग होते हुए गौरी मंदिर पुलिस लाईन पहुंचेगी, जहां रात्रि में शुभ विवाह सम्पन्न होगा तथा दूसरे दिन सोमवार को सहेली गली,केदारपुर स्थित भगवान शिवमंदिर प्रांगण में आशीर्वाद समारोह के रूप में महाआरती पश्चात शाम 7 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। वहीं महाशिवरात्रि रविवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर जिला मुख्यिालय अंबिकापुर सहित पूरे संभाग क्षेत्र के शिव मंदिरों में तैयारी पूर्ण कर ली गई है। मंदिरों को विशेष आकर्षक लाइट से सजाए गए हैं। इसे लेकर पूजा समितियों द्वारा मंदिरों के रंगाई पुताई की तैयारी पूर्व से ही शुरू कर दी गई थी। अंबिकापुर के चौपाटी स्थित शिव मंदिर, नमनाकला, गांधीनगर, सत्तीपारा, दर्रीपारा, महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिरों में महाशिवरात्रि को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई।

नगर निगम भवन का गरिमामय एवं सार्वजनिक लोकार्पण किए जाने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

नगर निगम के नए प्रशासनिक भवन का उद्घाटन आनन-फानन और गोपनीय तरीके से किए जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र, पारदर्शिता और स्थानीय स्वशासन की भावना के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता द्वारा चुने गए पार्षदों को कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी गई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। शफी अहमद ने कहा कि पार्षद अपने वार्डों की समस्याओं के समाधान और योजनाओं की निगरानी में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उन्हें इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से दूर रखना न केवल उनका बल्कि उनके मतदाताओं का भी अपमान है। उन्होंने मांग की कि नगर निगम भवन का गरिमामय एवं सार्वजनिक समारोह आयोजित कर सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पुनः लोकार्पण किया जाए।

टक्कर के बाद बोलेरो व ट्रक पलटा..एक युवक की मौत,दो गंभीर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के मैनपाट रोड में शुक्रवार की रात धान लोड ट्रक व बोलेरो की सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना में दोनों वाहन पलट गया और बोलेरो सवार तीन लोग घायल हो गए। एक युवक की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। वहीं बोलेरो का चालक व एक अन्य का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार विजय कुमार पिता कुल्दुल माझी उम्र 27 वर्ष नर्मदापुर मैनपाट का रहने वाला था। वह बाहर जाकर मजदूरी का काम करता है। शुक्रवार को गांव के तीन से चार लोगों के साथ बोलेरो से अंबिकापुर प्रतिक्षा बस स्टैंड आया। यहां से सभी को दूसरे प्रदेश मजदूरी करने जाना था। प्रतिक्षा बस स्टैंड आने के बाद विजय बाहर जाने से इंकार कर दिया। इसके बाद विजय अपने एक अन्य साथी के साथ वापस घर जा रहा था। रास्ते में दरिमा थाना क्षेत्र के मैनपाट रोड में जैसे ही पहुंचा सामने से आ रहे धान लोड ट्रक क्रामांक सीजी 15 डीएच 5501 से बोलेरो की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन सड़क पर ललट गया और बोलेरो के चालक सहित तीनों लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल विजय को इलाज के लिए

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं बोलेरो के चालक व एक अन्य युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान विजय की देर रात मौत हो गई।

आस्था का महासंगम : महाशिवरात्रि पर शिवालयों में गूंजेगा 'हर-हर महादेव',मेण्ड्रा में डॉ.चरणदास महंत करेंगे जलाभिषेक

राजन पाण्डेय

कोरिया/एमसीबी,14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

देवों के देव महादेव की आराधना का महापर्व महाशिवरात्रि आज पूरे कोरिया और एमसीबी जिले में श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है,भोर से ही श्रद्धालु पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाकर शिवालयों की ओर उमड़ पड़े हैं। मंदिरों की घंटियां, शंखध्वनि और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा है।

मेण्ड्रा में विशेष उल्लास, जनप्रतिनिधियों का आगमन

हसदेव नदी के उद्गम स्थल मेण्ड्रा स्थित प्राचीन हसदेश्वर मंदिर में आज भक्ति का विशेष उल्लास देखने को मिलेगा,डॉ. चरणदास महंत, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष, एवं सांसद ज्योत्सना महंत पूर्व विधायक गुलाब कमरो के साथ मेण्ड्रा पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक करेंगे,उनके आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। मंदिर समिति द्वारा विशेष सजावट, फूलों की व्यवस्था और भक्तों के लिए कतार प्रबंधन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इन प्रमुख शिवालयों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब...

सिद्ध बाबा मंदिर (मनेन्द्रगढ़) : जिले के गौरव सिद्ध बाबा पर्वत पर स्थित इस मंदिर में हजारों भक्त मत्था टेकने पहुंचेंगे। पहाड़ियों से टकराकर गूंजता 'हर-हर महादेव' का उद्घोष वातावरण को दिव्य बना रहा है।

नीलकंठ धाम दसेर : मध्यप्रदेश सीमा से लगे ऊंचे पहाड़ पर स्थित नीलकंठ महादेव के दर्शन के लिए अंतर्राज्यीय भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

जटाशंकर धाम : प्राकृतिक गुफा और स्वयंभू शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध यह धाम प्रकृति और भक्ति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है।

अमृतधारा हसदेव शिव मंदिर : जलप्रपात की कल-कल ध्वनि के बीच महादेव का अभिषेक करने दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

विशेष पूजा-अर्चना और परंपराएं, महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में सभी प्रमुख शिवालयों में विशेष अनुष्ठानों की तैयारियां पूर्ण हैं—

अभिषेक : भक्त जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित कर भगवान आशुतोष का श्रृंगार करेंगे।

भंडारा : जगह-जगह खिचड़ी प्रसादी और फलाहार वितरण की व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था : सिद्ध बाबा, जटाशंकर और मेण्ड्रा जैसे स्थलों पर मेले जैसा माहौल है, प्रशासन ने सुगम दर्शन और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व- पंचांग के अनुसार, महाशिवरात्रि शिव और शक्ति के मिलन की पावन रात्रि है। यह पर्व आत्मशुद्धि, संयम और नकारात्मकता के त्याग का प्रतीक माना जाता है। कृषि प्रधान जिले के किसान भी अच्छी फसल और खुशहाली के लिए भोलेनाथ के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर रहे हैं, हसदेव नदी की पावन लहरें और शिवालयों की घंटियां आज जिले की सांस्कृतिक विरासत और अटूट विश्वास की गवाही दे रही हैं, महाशिवरात्रि का यह महासंगम न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता और आध्यात्मिक चेतना का भी प्रतीक बन गया है।

भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

सूरजपुर के एजाज अहमद उर्फ जिम्मी बने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

-संवाददाता-

सूरजपुर,14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन विस्तार के तहत आईटी सेल की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की है, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डे ने नई कार्यकारिणी सूची जारी की,प्रदेश संयोजक आईटी सेल सुनील पिल्लई के नेतृत्व में सूरजपुर जिले के एजाज अहमद उर्फ जिम्मी को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किया गया है।

संगठन में सक्रिय भूमिका का मिला प्रतिफल- गौरतलब है कि एजाज अहमद उर्फ जिम्मी पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा सहित दो बार आईटी सेल के जिला संयोजक का दायित्व संभाल चुके हैं,पार्टी ने उनकी सक्रियता और संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी है, उनकी नियुक्ति को लेकर जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और इसे संगठन में युवा नेतृत्व को अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जिम्मेदारी निभाने का संकल्प- प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने पर एजाज अहमद ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे, उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने और माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में पूरी लगन से कार्य करेंगे।

वरिष्ठ नेताओं का जताया आभार- नियुक्ति के बाद एजाज अहमद ने जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भूलन सिंह मरावी, शकुंतला पोर्ते, रामसेवक पैकरा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं का आभार व्यक्त किया, पार्टी नेतृत्व का मानना है कि नई टीम के गठन से आईटी सेल की गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा संगठनात्मक संवाद को डिजिटल माध्यमों से मजबूत किया जा सकेगा।

अमृतधारा महोत्सव : लोकतंत्र का उत्सव या प्रोटोकॉल की बलि?

अपनों को मंच,निर्वाचित चेहरों की उपेक्षा-आमंत्रण पत्र से उठा प्रशासनिक तूफान

-संवाददाता-

एमसीबी,14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

प्रकृति, पर्यटन और संस्कृति के संगम के रूप में पहचान बना चुका अमृतधारा महोत्सव इस बार अपनी सांस्कृतिक आभा से अधिक प्रशासनिक विवादों को लेकर सुर्खियों में है, जिस आयोजन को जन-भागीदारी और स्थानीय लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का प्रतीक होना चाहिए था,वह एक आमंत्रण पत्र की चूक से राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है,आरोप है कि जिला प्रशासन द्वारा जारी आमंत्रण पत्र में कई निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के नाम शामिल नहीं किए गए, जिससे लोकतांत्रिक मर्यादा और प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जिस आंगन में मेला,उसी की 'मुखिया' का नाम गायब- सबसे बड़ी आपत्ति इस बात को लेकर है कि जिस लाई ग्राम पंचायत की भूमि पर अमृतधारा महोत्सव का आयोजन हो रहा है, वहां की संवैधानिक प्रमुख सरपंच सोनकुंवर का नाम आमंत्रण पत्र में नहीं है,ग्रामीण स्वशासन व्यवस्था में सरपंच प्रथम नागरिक माने जाते हैं। ऐसे में उनका नाम आमंत्रण पत्र से गायब होना केवल एक व्यक्ति की अनदेखी नहीं, बल्कि पूरे ग्राम पंचायत और उसके मतदाताओं के सम्मान से जुड़ा प्रश्न बन गया है, स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े आयोजनों में संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों को आमंत्रण में प्रमुख स्थान दिया जाता है, फिर यहां यह चूक कैसे हो गई?

जिला पंचायत उपाध्यक्ष और जनपद सदस्यों की उपेक्षा- आमंत्रण सूची से जिला पंचायत उपाध्यक्ष और जनपद पंचायत सदस्यों के नाम भी गायब बताए जा रहे हैं, राजेश साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, ने इसे निर्वाचित पद की गरिमा का अपमान बताया है, उनका कहना है कि यह केवल व्यक्तिगत अनदेखी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की अवमानना है, उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही नजरअंदाज करेगा, तो जनप्रतिनिधित्व की भावना कमजोर होगी।

प्रोटोकॉल बनाम प्रशासनिक सुविधा- अमृतधारा महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि जिले की पहचान और पर्यटन का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे आयोजनों में प्रोटोकॉल का पालन अपेक्षित माना जाता है, स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि आमंत्रण सूची में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को स्थान नहीं दिया गया, तो यह या तो प्रशासनिक लापरवाही है या फिर स्थानीय राजनीतिक समीकरणों का असर, कई लोग इसे 'अपनों को मंच और दूसरों को किनारा' की रणनीति के रूप में भी देख रहे हैं।

भाषा और औपचारिकता पर भी सवाल- विवाद केवल नामों तक सीमित नहीं रहा। आमंत्रण पत्र में पते के लेखन को लेकर भी व्याकरणिक त्रुटि सामने आई है, कार्ड में 'अमृतधारा ग्राम पंचायत - लाई' लिखा गया, जबकि शुद्ध प्रारूप 'अमृतधारा, ग्राम पंचायत लाई' होना चाहिए था, इससे यह संकेत मिलता है कि आयोजन की औपचारिकता और भाषाई शुद्धता पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया।

राजनीतिक संकेत या साधारण भूल?

प्रशासन की ओर से अब तक कोई विस्तृत स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। ऐसे में यह विवाद और गहराता जा रहा है, सवाल यह भी उठ रहा है कि, क्या यह केवल एक तकनीकी चूक है? या फिर स्थानीय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम? क्या भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाएगा?

लोकतांत्रिक गरिमा का सवाल

अमृतधारा महोत्सव जहां प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है, वहीं यह विवाद लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की परीक्षा बन गया है, लोकतंत्र केवल मंच और भाषणों से नहीं चलता, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मान और सहभागिता से मजबूत होता है, यदि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ही दरकिनार किया जाएगा, तो आयोजन की भव्यता के बावजूद उसकी आत्मा अधूरी रह जाएगी, अब निगाहें जिला प्रशासन पर हैं–क्या वह इस विवाद पर स्पष्टता देगा और भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए ठोस कदम उठाएगा? अमृतधारा की जलधारा तो अविरल बहती रहेगी, लेकिन लोकतंत्र की धारा भी उतनी ही स्वच्छ और सम्मानजनक बनी रहे– यही जन अपेक्षा है।

अशोक जायसवाल देवगढ़ में करेंगे विशाल भंडारे का आयोजन

महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालु जुटेंगे,पुरातत्व महत्व का है देवगढ़ का शिव मंदिर

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कोरिया जिले के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ने जा रहा है, छुरीगढ़, देवगढ़, गेज नदी तट, जमगहना सिद्ध बाबा मंदिर और बरदिया शिवमंदिर जैसे प्रमुख स्थलों पर हजारों-लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, इसी क्रम में ग्राम नानभान स्थित देवगढ़ के प्राचीन शिव मंदिर में इस वर्ष विशाल भोग-भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, यह आयोजन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर एवं कांग्रेस नेता अशोक जायसवाल की ओर से किया जा रहा है।

पुरातत्व महत्व का केंद्रः देवगढ़ शिव मंदिर

कांग्रेस अजजा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम नानभान के देवगढ़ में स्थित शिव मंदिर का विशेष पुरातात्विक महत्व है। यहां प्राचीन शिव प्रतिमाएं प्राप्त होने के बाद मंदिर का निर्माण कराया गया था, तभी से यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

सुबह से उपलब्ध रहेगा भोग-भंडारा

विजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुबह से ही विशाल भोग-भंडारे की व्यवस्था की जाएगी। प्रसाद वितरण की यह परंपरा आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया गया है, भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए भोजन, प्रसाद और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है, ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका

स्थानीय स्तर पर यह भी बताया जाता है कि अशोक जायसवाल धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, वे प्रतिवर्ष विभिन्न धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करते रहे हैं और समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

जिलेभर में श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं

महाशिवरात्रि के अवसर पर कोरिया जिले के कई स्थानों पर भोग-भंडारे और पूजा-अर्चना की विशेष तैयारियां की गई हैं, आयोजक समितियां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रसाद, सुरक्षा और व्यवस्था प्रबंधन में जुटी हुई हैं, देवगढ़ का यह आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक बनेगा, बल्कि सामाजिक समरसता और सेवा भावना का भी उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

सूरजपुर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर के फायदे बताए

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा अभियान के तहत स्टॉल लगाकर दी गई जानकारी

-संवाददाता-

सूरजपुर,14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

विद्युत विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्मार्ट मीटर पखवाड़ा अभियान के तहत सूरजपुर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, लाभ और उससे मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी देना रहा, शुक्रवार को सूरजपुर शहर के पुराने बस स्टैंड परिसर में विशेष स्टॉल लगाकर अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से सीधे संवाद किया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी अलग-अलग स्थानों पर शिविर आयोजित कर लोगों को जागरूक किया गया।

पारदर्शी बिलिंग और सटीक रीडिंग

अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत की सटीक और रियल-टाइम जानकारी मिलती है, इससे बिलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आती है और अनुमानित बिल की समस्या समाप्त होती है। उपभोक्ता अपने मोबाइल या संबंधित पोर्टल के माध्यम से दैनिक खपत पर नजर रख सकते हैं। इससे अनावश्यक बिजली उपयोग को नियंत्रित करने में भी सहायता मिलती है, स्मार्ट मीटर लगने से रीडिंग से जुड़ी शिकायतें भी होंगी समाप्त।

भ्रांतियों को किया जा रहा दूर- अभियान के दौरान उपभोक्ताओं की शंकाओं का समाधान किया गया और मीटर लगाने की पूरी प्रक्रिया समझाई गई, कई ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर को लेकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका मौके पर समाधान किया गया, जिनश कंपनी के सीनियर इंजीनियर विवेक मिश्रा ने बताया कि स्मार्ट मीटर को लेकर कुछ लोगों में भ्रांतियां हैं, जिन्हें शिविर के माध्यम से दूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के बाद कई उपभोक्ताओं ने अपने घरों में स्मार्ट मीटर लगाने की सहमति भी दी है।

अधिकारियों की मौजूदगी- यह शिविर कार्यपालन अभियंता बसंत सोम के निर्देशानुसार एवं सहायक अभियंता बी.एस. मरकाम तथा कनिष्ठ अभियंता (ग्रामीण) दामोदर सिंह कवर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, कार्यक्रम में मयंक तिवारी, रितेश ठाकुर सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

C M Y K

35.78 लाख गबन केस : घोटाला बरकरार, कार्यवाही शून्य !

दोषी कौन?

घोटाला हुआ या सिर्फ प्रक्रिया गलत थी? बैंक और सिस्टम पर बड़े सवाल...

रकम वही,जांच वही...बदला तो सिर्फ फॉर्मेट! 35 लाख केस में 'प्रक्रिया' बनी ढाल

एफआईआर, बर्खास्तगी और जेल की नौबत... फिर भी आदेश शून्य-जिम्मेदार कौन?

किसानों की बीमा राशि पर गबन का आरोप,पर कार्रवाई ढीली-जवाबदेही किसकी?

घोटाला भारी,कागज़ हल्का! सहकारी बैंकिंग तंत्र पर उठे सवाल...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर, 14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। 35 लाख 78 हजार रुपये का फसल बीमा घोटाला,कलेक्टर स्तर की जांच, एफआईआर दर्ज, चार कर्मचारियों की सेवा समाप्ति, तीन साल बाद न्यायालय ने कार्रवाई शून्य कर दी,अब सवाल यह है-अगर बैंक प्रबंधक दोषी नहीं है तो दोषी कौन है? और अगर घोटाला हुआ है, तो फिर जिम्मेदार कौन ठहरेगा?

घोटाले के पुरे प्रक्रिया पर सवाल

1. क्या न्यायालय में पूरे साक्ष्य रखे गए थे?

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि क्या बैंक प्रबंधन ने न्यायालय संयुक्त पंजीयक, सरगुजा संभाग अंबिकापुर के समक्ष सभी आवश्यक दस्तावेज,जांच प्रतिवेदन,लेखा विवरण और गवाहों के बयान पूरी मजबूती से प्रस्तुत किए थे? यदि जांच में हितग्राहियों के खातों से प्रधानमंत्री फसल बीमा मुआवजा राशि के आहरण और अनियमितता का उल्लेख था, तो न्यायालय में वे बिंदु किस रूप में रखे गए? यह स्पष्ट होना जरूरी है कि क्या आरोपों की वित्तीय जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय की गई थी? क्या प्रत्येक आरोपी कर्मचारी की भूमिका अलग-अलग दर्शाई गई थी? क्या बैंक की ओर से विधिक सलाह लेकर पैरवी की गई थी? पारदर्शिता के लिए बैंक प्रबंधन को इन प्रश्नों पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देना चाहिए।

2. क्या बैंक आदेश के विरुद्ध अपील करेगा?

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय यह है कि क्या बैंक न्यायालय के आदेश के विरुद्ध उच्च प्राधिकारी या अपीलीय मंच पर चुनौती देगा? यदि बैंक को लगता है कि आदेश में विधिक या तथ्यात्मक त्रुटि है, तो अपील एक स्वाभाविक कदम माना जाएगा,यदि अपील नहीं की जाती, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि,क्या बैंक विभागीय प्रक्रिया की त्रुटि स्वीकार कर रहा है? या आगे नई जांच प्रक्रिया शुरू की जाएगी? इस पर बैंक की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है।

3. गबन राशि की वसूली की स्थिति क्या है?

पूरे मामले का मूल मुद्दा किसानों की फसल बीमा मुआवजा राशि है,यदि जांच में अनियमितता या गबन का उल्लेख किया गया था,तो: अब तक कितनी राशि की वसूली हुई? क्या वसूली प्रक्रिया लंबित है? क्या संबंधित कर्मचारियों से वित्तीय दायित्व तय कर रिकवरी नोटिस जारी किए गए? यदि विभागीय आदेश शून्य हो गया है,तो क्या वसूली प्रक्रिया भी प्रभावित होगी-यह स्पष्ट किया जाना चाहिए।

4. मिलीभगत की आशंकाओं पर स्पष्टता जरूरी-

कुछ स्थानीय स्तर की चर्चाओं में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या कमजोर पैरवी या अधूरे दस्तावेजों के कारण मामला पलटा,हालांकि ऐसे आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के लिए बैंक को यह स्पष्ट करना चाहिए कि: पैरवी किस स्तर पर की गई? क्या सक्षम विधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया था? क्या आंतरिक स्तर पर जांच अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी? पारदर्शिता ही इन शंकाओं को समाप्त कर सकती है।

5. क्या पुनः बहाली संभव है?

यदि विभागीय आदेश शून्य घोषित हुआ है, तो क्या संबंधित कर्मचारियों की सेवा स्थिति पर पुनर्विचार होगा? कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि विभागीय कार्रवाई शून्य होने का अर्थ स्वतः दोषमुक्ति नहीं होता, बैंक चाहे तो नियमानुसार नई जांच प्रक्रिया शुरू कर सकता है, लेकिन यदि पुनः बहाली की स्थिति बनती है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि: क्या आपराधिक प्रकरण लंबित रहते हुए सेवा बहाल की जाएगी? क्या वित्तीय दायित्व स्पष्ट किए बिना पुनः नियुक्ति होगी?

6. व्यापक जवाबदेही की जरूरत-

यह मामला अब सिर्फ चार कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहा,यह सहकारी बैंकिंग तंत्र की कार्यप्रणाली,जांच प्रक्रिया की गुणवत्ता और विधिक तैयारी की मजबूती का प्रश्न बन गया है,जनता के मन में जो प्रमुख प्रश्न हैं, वे यह हैं: यदि प्रक्रिया गलत थी तो उस प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार अधिकारी पर क्या कार्रवाई होगी? क्या भविष्य में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए जाएंगे? किसानों के हित की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे?

अब तय होना चाहिए

1. क्या जांच रिपोर्ट पूर्ण और स्पष्ट थी?
2. क्या विभागीय जांच नियमों के अनुरूप हुई?
3. क्या बैंक ने न्यायालय में अपना पक्ष पूरी मजबूती से रखा?
4. किसानों की कथित गबन राशि की अंतिम जिम्मेदारी किसकी है?
5. यदि प्रक्रिया गलत थी,तो जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं?

घोटाला हुआ...या सिर्फ फाइलों में गलती हुई?

दस्तावेज बताते हैं कि वर्ष 2019-20 में किसानों की फसल बीमा राशि में 35.78 लाख की अनियमितता सामने आई,कलेक्टर सूरजपुर द्वारा गठित जांच दल ने रिपोर्ट दी। बैंक ने चार कर्मचारियों को निलंबित किया। एफआईआर दर्ज हुई। बोर्ड बैठक हुई,सेवा समाप्ति का आदेश 5 जून 2023 को जारी हुआ, इतनी सारी कार्रवाइयों के बाद सवाल उठता है, क्या यह सब बिना आधार के हुआ था? अगर जांच रिपोर्ट सही नहीं थी तो एफआईआर क्यों हुई? अगर जांच रिपोर्ट सही थी तो विभागीय कार्रवाई न्यायालय में टिक क्यों नहीं पाई?

न्यायालय ने क्या कहा...और क्या नहीं कहा

न्यायालय ने यह नहीं कहा कि घोटाला नहीं हुआ, न्यायालय ने यह भी नहीं कहा कि कर्मचारी निर्दोष हैं,न्यायालय ने कहा प्रक्रिया सही नहीं अपनाई गई, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं हुआ,आरोपों की स्पष्ट जिम्मेदारी तय नहीं की गई,अब बड़ा सवाल अगर प्रक्रिया इतनी कमजोर थी,तो बैंक ने कार्रवाई इतनी जल्दी और इतने भरोसे से कैसे कर दी?

व्यंग्य की सच्चाई: घोटाला साबित, लेकिन फॉर्मेट गलत!

आज स्थिति यह है कि घोटाले की राशि वही है, जांच वही है, एफआईआर वही है, लेकिन गलत निकली तो सिर्फ प्रक्रिया, लोग पूछ रहे हैं- क्या सहकारी तंत्र में असली लड़ाई रकम की नहीं, कागज की लाइन की होती है?

जेल की नौबत कैसे आई?

जब मामला पुलिस तक गया, एफआईआर दर्ज हुई, गिरफ्तारी की स्थिति बनी- तो क्या पुलिस ने भी बिना जांच के कार्रवाई कर दी थी? यदि विभागीय न्यायालय मानता है कि आरोप तय करने की प्रक्रिया सही नहीं थी, तो क्या इसका मतलब यह है कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट ही अधूरी थी? अगर रिपोर्ट अधूरी थी तो तीन साल तक कर्मचारी सेवा से बाहर क्यों रहे? अगर रिपोर्ट मजबूत थी तो बैंक न्यायालय में उसे मजबूती से साबित क्यों नहीं कर पाया?

क्या बैंक ने अपना पक्ष कमजोर रखा?

सूत्रों का कहना है कि बैंक ने न्यायालय में अपने दस्तावेज और साक्ष्य उतनी मजबूती से प्रस्तुत नहीं किए, यदि यह सच है, तो यह सिर्फ कानूनी चूक नहीं यह किसानों के हित के साथ लापरवाही है, क्योंकि मामला किसी निजी कंपनी का नहीं था- यह किसानों की फसल बीमा राशि का था।

किसानों का हित-सबसे बड़ा सवाल

यदि हर बार यही होगा कि घोटाला सामने आएगा,कार्रवाई होगी,फिर प्रक्रिया की कमी में आदेश शून्य हो जाएगा-तो किसानों का हित कौन बचाएगा? क्या सहकारी बैंकिंग व्यवस्था में जवाबदेही सिर्फ कागज तक सीमित रह जाएगी? क्या दोष तय करने से ज्यादा जरूरी फाइल का फॉर्मेट हो गया है?

राजनीतिक परछाईं

लोग यह भी कह रहे हैं कि जिस कार्रवाई की शुरुआत एक सरकार के दौर में हुई, वही दूसरी सरकार में कानूनी रूप से ढीली पड़ गई, हालांकि यह आरोप सिद्ध नहीं हैं, लेकिन यह धारणा क्यों बन रही है? सिस्टम की पारदर्शिता इतनी कमजोर क्यों है कि लोग ऐसे सवाल पूछने लगें?

मामला व्यक्ति का नहीं, सिस्टम का है

यह लड़ाई सिर्फ एक कर्मचारी की नौकरी की नहीं है, यह सहकारी तंत्र की विश्वसनीयता की लड़ाई है,यदि दोषी है-तो सजा मिले,यदि निर्दोष है- तो स्पष्ट रूप से निर्दोष घोषित हो, लेकिन प्रक्रिया की गलती के सहारे न तो दोष छुपे और न ही किसान ठगे जाएं, आज जनता का सवाल साफ है-घोटाला हुआ तो और अगर जिम्मेदार तय नहीं हो पा रहा, तो फिर जवाबदेही किसकी है?

बेवफाई के शक में पति ने पत्नी,मां और बहन पर किया जानलेवा हमला

-संवाददाता-

कोरबा, 14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरबा अंचल में एक पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया जिसमे परिवार के चार लोग घायल । चरित्र शंका के चलते पति ने पत्नी,मां और बहन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना में पत्नी गंभीर रूप से घायल हुई है। कथित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पति ने कथित रूप से अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना के समय घर में उपस्थित परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव के लिए आगे आए। मां और बहन ने स्थिति को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन उसने उन पर भी हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से घर में चीख-पुकार मच गई। घटना की आवाज सुनकर आसपास के पड़ोसी तत्काल मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों ने साहस दिखाते हुए घर में प्रवेश किया और किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। गंभीर रूप से घायल पत्नी को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मां और बहन को भी चोटें आई हैं, जिनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम और 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रारंभिक जांच शुरू की। अधिकारियों के अनुसार,प्रथम दृष्ट्या घटना का कारण दंपत्ति का आपसी विवाद प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए कथित आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बाद में उसे विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में धारदार हथियार का उपयोग होने के कारण गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है।

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष से मारपीट करने के आरोप में एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-

कोरबा, 14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले के अधिवक्ता भवन में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष से मारपीट और स्टाम्प वेंडर से ब्लैकमेलिंग के आरोप पर पुलिस ने कथित आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जिला कोर्ट परिसर के अधिवक्ता भवन में बालको नगर निवासी से अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गणेश कुलदीप का विवाद हो गया।

तत्पश्चात अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ने बालको नगर निवासी पर अधिवक्ता भवन में घुसकर गलत कार्य करने का आरोप लगाया। मना करने पर हुज्जतबाजी कर गाली-गलौज व मारपीट करने की बात कही। इसके बाद अधिवक्ताओं ने उसके खिलाफ प्रदर्शन कर केस दर्ज करने की मांग की। अधिवक्ता संघ की प्रशासन-पुलिस के साथ बैठक हुई। इसके बाद संघ के पदाधिकारी व सदस्य सिविल लाइन थाना पहुंचे। यहां कार्रवाई के लिए ज्ञापन दिया।पुलिस ने मामले में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष की ओर से गाली-गलौज, मारपीट व स्टाम्प वेंडर की ओर से ब्लैकमेलिंग की रिपोर्ट पर दो अलग-अलग केस दर्ज किया है। सीएसपी कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी के मुताबिक अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों सहित अधिवक्ताओं ने सिविल लाइन थाना पहुंचकर कथित आरोपी के खिलाफ कार्यवाही के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। दो आवेदन में से एक में गाली-गलौच व मारपीट व दूसरे में ब्लैकमेलिंग का केस दर्ज किया गया है। मामले में आगे जांच जारी है जो भी तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पुष्पा रामरिया पति स्व0 भोला शंकर रामरिया, निवासी म0नं0 आर-08 ऋषभ ग्रीन सिटी, मिनीमाता चौक पुलगांव चौक दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका द्वारा ग्राम सरगवां स्थित भूमि खसरा नंबर 226 में से रकबा 0.02 आरे (6.12 डिसमिल, 250.92 वर्गमीटर) भूमि क्रय किया गया था। उक्त भूमि नामांतरण पश्चात् राजस्व अभिलेखों में खसरा नंबर 226/43 रकबा 0.020 हे0 आवेदिका के नाम पर दर्ज किया गया, जबकि आवेदिका द्वारा 6.12 डिसमिल (250.92 वर्गमीटर) भूमि क्रय किया गया था। आवेदिका के द्वारा राजस्व अभिलेखों में दर्ज त्रुटिपूर्ण रकबा 0.020 हे0 को सुधार करते हुए वास्तविक रकबा 6.12 डिसमिल (250.92 वर्गमीटर, 2670 वर्गफीट) दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमाबाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

नाम सुधार सूचना

मैं घुलमेत बाई पति बृजनाथ राम,उम्र लगभग 59 वर्ष, निवासी-ग्राम मेन्ड्राखुर्द पोस्ट लटोरी माझापारा सकालो तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)। यह कि मेरा आधार कार्ड नं. 2019 5238 4955 जारी किया गया है, जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम धुलमेत बाई (Dhulmet Baih) अंकित हो गया है। मेरा नाम एक पेन कार्ड न. BTOPR5293Q जारी किया गया है जिसमें मेरा नाम घुलमेत बाई (Ghulmet Bai) अंकित है, जो सत्य व सही है।

इस प्रकार मेरे आधार कार्ड में अंकित नाम धुलमेत बाई (Dhulmet Bai) एवं पेन कार्ड में अंकित नाम घुलमेत बाई (Ghulmet Bail) है,मेरा नाम धुलमेत बाई (Dhulmet Bai) के स्थान पर घुलमेत बाई (Ghulmet Bail) अंकित किया जाये,जिस बावत् शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।

सपथकर्ता घुलमेत बाई

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन नगर पंचायत प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रमेन्द्र कुमार जायसवाल आ. रामचन्द्र जायसवाल निवासी ग्राम सलका तहसील प्रेमनगर जिला सूरजपुर द्वारा ग्राम प्रेमनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 3146/1 रकबा 0.12 में से 0.06 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र,रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं नगर पंचायत प्रेमनगर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/02/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/02/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम गोपाल साहू आ. विश्वनाथ साहू निवासी ग्राम प्रेमनगर, तहसील-प्रेमनगर, जिला सूरजपुर द्वारा ग्राम प्रेमनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 281/1 रकबा 0.32 में से 0. 1 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत कृष्णपुर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/02/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/02/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन नगर पंचायत प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार साहू आ. बनवारी लाल साहू निवासी ग्राम प्रेमनगर तहसील सूरजपुर द्वारा ग्राम प्रेमनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 330/8 रकबा 0.21 में से 0.08 है. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं नगर पंचायत प्रेमनगर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/02/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/02/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि प्रेमनगर, तहसील प्रेमनगर,आवेदक नेमसाय आ. छोटकिया जाति गोड़ निवासी ग्राम जिला सूरजपुर द्वारा ग्राम प्रेमनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 3099 रकबा 0.18 में से 0. 10 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र,रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत कृष्णपुर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/02/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/02/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202602020700067

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

नमना कला प.ह.न.00020 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -शांति बाई,
अनावेदक पक्षकार -बसंती,

ईश्तहार

आवेदिका शांति बाई पत्नी पंचकोड राम, निवासी ग्राम नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 157/59, 157/66 रकबा क्रमशः 0.061, 0.040 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश अनावेदिका का नाम दर्ज हो गया है। आवेदिका के द्वारा आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेखों से अनावेदिका का नाम विलोपित कर आवेदिका का नाम यथावत रखने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/02/2026 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

शशि अध्यक्ष बनीं तो बवाल क्यों? सूरजपुर कांग्रेस में इस्तीफों की आंधी या नेतृत्व की परीक्षा...

सूरजपुर कांग्रेस में सियासी घमासान: अध्यक्ष नियुक्ति से लेकर कार्यकारिणी तक विवाद, इस्तीफों की आंधी में संगठन पर उठे बड़े सवाल...

सूरजपुर कांग्रेस में सियासी संग्राम: अध्यक्ष के फैसलों पर इस्तीफों की बौछार...

कांग्रेस में अनुशासन या असंतोष? सूरजपुर में इस्तीफों ने खड़े किए बड़े सवाल

एक व्यक्ति-एक पद नियम सवालों में,नई कार्यकारिणी पर घमासान तेज...

अध्यक्ष बनीं शशि सिंह, संगठन बना अखाड़ा! इस्तीफों से गरमाई कांग्रेस...

पदों की भरमार या नेताओं की कमी? सूरजपुर कांग्रेस में अंदरूनी बगावत खुलकर सामने

निष्ठावान किनारे,नए चेहरों की एंट्री–कार्यकारिणी सूची ने बढ़ाया विवाद...

अध्यक्ष बनीं तो शुरू हुआ विरोध,विस्तार पर बढ़ा विवाद

स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि शशि सिंह के अध्यक्ष बनने को लेकर पहले भी कई स्तरों पर प्रयास हुए थे,हालांकि हाईकमान के फैसले के बाद उन्होंने संगठन विस्तार की प्रक्रिया शुरू की,लेकिन जैसे ही नई सूची सामने आई,आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया,विरोध करने वाले नेताओं का कहना है कि विस्तार में संतुलन नहीं रखा गया, जबकि समर्थकों का दावा है कि नए नेतृत्व को काम करने का मौका दिए बिना ही विरोध खड़ा किया जा रहा है।

एक व्यक्ति-एक पद नियम पर सवाल

जयपुर में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन सृजन को लेकर एक व्यक्ति-एक पद का सिद्धांत तय किया गया था,लेकिन सूरजपुर की नई कार्यकारिणी को लेकर आरोप है कि इस नियम का खुला उल्लंघन हुआ है,सूत्रों के मुताबिक कई मंडल अध्यक्षों को जिला स्तर पर भी महामंत्री,संयुक्त महामंत्री और उपाध्यक्ष जैसे पद दे दिए गए हैं, वरिष्ठ कांग्रेसियों का कहना है कि इससे संगठन में अवसरों का असंतुलन पैदा हुआ है और यह संदेश जा रहा है कि जिले में कार्यकर्ताओं की कमी है।

-न्यूज डेस्क-

सूरजपुर, 14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। राजनीति के इस डिजिटल दौर में अब इस्तीफे भी ई-मेल या डाक से नहीं,सीधे फेसबुक-व्हाट्सऐप की दीवारों पर टांगे जा रहे हैं,ताज़ा घटनाक्रम में सूची भी सोशल मीडिया में जारी हुई और इस्तीफा भी सोशल मीडिया पर ही तैरता नजर आया,सबसे दिलचस्प सवाल यह है कि आखिर वह इस्तीफा गया कहां? अध्यक्ष के पास पहुंचा नहीं,पार्टी कार्यालय तक दाखिल हुआ नहीं,लेकिन सोशल मीडिया पर पूरे सम्मान के साथ वायरल जरूर हो गया,जिन नेताओं ने इस्तीफा पोस्ट किया,उन्हें लगा कि डिजिटल सबमिशन ही आधिकारिक प्रक्रिया है,दूसरी ओर अध्यक्ष महोदय के पास कोई ठोस जवाब नहीं–क्योंकि उनके अनुसार इस्तीफा आधिकारिक रूप से मिला ही नहीं, परिणाम? इस्तीफा न तो स्वीकार हुआ,न अस्वीकार,न वह संगठन के रिकॉर्ड में दर्ज हुआ,न ही किसी बैठक में चर्चा का विषय बना,वह सिर्फ सोशल मीडिया की टाइमलाइन पर तैरता रहा–और धीरे-धीरे आलोचना का केंद्र बन गया,इस पूरे घटनाक्रम में बदनामी किसकी हुई? पार्टी की साख पर सवाल उठे,अध्यक्ष की कार्यशैली पर चर्चा हुई, गुटबाजी को नया मसाला मिल गया,और अंत में निष्कर्ष यही निकला–इस्तीफा निकला जरूर, लेकिन अध्यक्ष तक पहुंचा नहीं,पार्टी कार्यालय तक गया नहीं,बस सोशल मीडिया का डिजिटल दस्तावेज़ बनकर रह गया,राजनीति में संवाद की जगह जब पोस्ट और कमेंट ले लेते हैं,तो संगठनात्मक अनुशासन से ज्यादा ट्रेंडिंग हैशटैग काम करने लगते हैं,यही वजह है कि असली मुद्दा पीछे रह गया और सोशल मीडिया वाला इस्तीफा ही चर्चा का केंद्र बन गया।

घटती-घटना | सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | 4

सूरजपुर कांग्रेस में 'पद वितरण' बना 'इस्तीफा वितरण': तीन दिन में बिखरी नई टीम,संगठन नहीं सियासी अखाड़ा बना जिला इकाई

सूरजपुर कांग्रेस में पद मिले,पर कुर्सियाँ खाली-विस्तार सूची बनी इस्तीफा सूची

अध्यक्ष-कोषाध्यक्ष छोड़ बाकी पर लंबी कतार

तीन दिन की नियुक्ति, चौथे दिन बगावत

सूरजपुर कांग्रेस में संगठन नहीं 'संग्राम'

बता दे की पूर्व विधायक स्वर्गीय तुलेश्वर सिंह की पुत्री शशि सिंह को जैसे ही कांग्रेस ने सूरजपुर क जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी, संगठन के भीतर शुरू हुई हलचल अब खुली सियासी खींचतान में बदलती नजर आ रही है, नियुक्ति से पहले विरोध की चर्चाएं थीं, लेकिन अब कार्यकारिणी विस्तार,पदों के बंटवारे और संगठनात्मक नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है, करीब 16 इस्तीफों की खबरों ने पूरे घटनाक्रम को और ज्यादा गरमा दिया है, जिससे सवाल उठ रहा है–क्या यह असंतोष है या अध्यक्ष बदलने की रणनीति? जिला कांग्रेस कमेटी की हाल ही में घोषित कार्यकारिणी सूची को लेकर संगठन के भीतर असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है, सूत्रों और वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आरोपों के अनुसार, कई नव नियुक्त पदाधिकारी कथित तौर पर पार्टी के प्राथमिक सदस्य तक नहीं हैं, जबकि कुछ नेताओं को एक साथ दो-दो जिम्मेदारियाँ सौंपे जाने से संगठनात्मक नियमों पर सवाल खड़े हो गए हैं। नई सूची के बाद से ही स्थानीय स्तर पर चर्चा और विरोध का माहौल बना हुआ है।

प्राथमिक सदस्यता और दो-दो पदों पर भी विवाद

कुछ नेताओं ने आरोप लगाया है कि सूची में शामिल कई नव नियुक्त पदाधिकारी पार्टी के प्राथमिक सदस्य तक नहीं हैं,वहीं एक व्यक्ति को दो-दो जिम्मेदारियाँ दिए जाने का मुद्दा भी उठाया जा रहा है, आलोचकों का कहना है कि यदि संगठनात्मक नियमों का पालन नहीं होगा तो अनुशासन और पारदर्शिता दोनों पर सवाल उठेंगे।

पूर्व विधायकों और वरिष्ठों से सलाह नहीं लेने का आरोप

कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि पूर्व विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से पर्याप्त सलाह नहीं ली गई, चर्चा है कि सूची पीसीसी में भेजने के बाद जब सवाल उठे, तब औपचारिकता निभाते हुए नाम पूछे गए, इससे संगठन के भीतर संवादहीनता की बात सामने आ रही है।

निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी?

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का विरोध करने वाले या जोगी कांग्रेस से आए कुछ नेताओं को बड़े पद दिए गए, जबकि लंबे समय से सक्रिय और निष्ठावान कांग्रेसियों को दरकिनार किया गया, इससे पुराने कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है और कई लोग खुद को अपमानित महसूस कर रहे हैं।

इस्तीफों की बाढ़: असंतोष या रणनीतिक दबाव?

करीब 15 इस्तीफों की चर्चा के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या यह दबाव बनाकर नेतृत्व बदलने की कोशिश है,कुछ नेताओं का मानना है कि लगातार सार्वजनिक विवाद से पार्टी की छवि कमजोर हो रही है और इसका सीधा फायदा विपक्ष को मिल सकता है।

काबिलियत बनाम स्वीकार्यता की लड़ाई?

शशि सिंह को पढ़ी-लिखी और सक्रिय नेत्री माना जाता है,जो संसद का चुनाव भी लड़ चुकी हैं, ऐसे में यह भी चर्चा है कि विरोध काबिलियत को लेकर नहीं, बल्कि स्थानीय गुटबाजी और नेतृत्व की स्वीकार्यता से जुड़ा है, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नए नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने समीकरणों को साधना होती है और सूरजपुर कांग्रेस भी इसी दौर से गुजर रही है।

अनुशासन पर सवाल और हाईकमान की नजर

लगातार बढ़ते विवाद और इस्तीफों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या कांग्रेस में अनुशासन कमजोर पड़ रहा है, क्या इस्तीफा देना संगठनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा है या फिर अनुशासनहीनता का संकेत? अब निगाहें प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर हैं कि वह इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाती है–कड़ा एक्शन, समझौते की पहल या फिर स्थिति को शांत होने का इंतजार, कुल मिलाकर, सूरजपुर कांग्रेस इस समय अंदरूनी संघर्ष के दौर से गुजर रही है, अध्यक्ष की नियुक्ति से शुरू हुआ विवाद अब संगठनात्मक ढांचे और नियमों तक पहुंच चुका है, आने वाले दिनों में हाईकमान का फैसला ही तय करेगा कि यह घमासान संगठन को मजबूत करेगा या फिर गुटबाजी की नई कहानी लिखेगा।

मंडल अध्यक्षों को जिला पद,संतुलन पर सवाल

वरिष्ठ कांग्रेसियों का कहना है कि हाल में जारी सूची में कई मंडल अध्यक्षों को जिला संगठन में भी महामंत्री, संयुक्त महामंत्री और जिला उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद दे दिए गए हैं, इसे संगठनात्मक संतुलन के विरुद्ध बताया जा रहा है। आलोचकों का तर्क है कि इससे नए और जमीनी कार्यकर्ताओं को अवसर नहीं मिल पा रहा,जबकि समर्थकों का कहना है कि अनुभवी लोगों को जिम्मेदारी देना संगठन को मजबूत करने की रणनीति भी हो सकती है।

एक व्यक्ति-एक पद नियम की अनदेखी?

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन सृजन के तहत एक व्यक्ति-एक पद का सिद्धांत तय किया गया था, स्थानीय नेताओं का आरोप है कि सूरजपुर की नई कार्यकारिणी में इस नियम का खुला उल्लंघन हुआ है, कांग्रेसजनों का कहना है कि संगठन विस्तार का उद्देश्य व्यापक भागीदारी और संतुलित नेतृत्व तैयार करना था, लेकिन एक ही व्यक्ति को कई पद दिए जाने से जमीनी स्तर पर भ्रम और असंतोष की स्थिति बन रही है।

निष्ठावानों की अनदेखी, नए चेहरों को तरजीह?

कुछ वरिष्ठ कांग्रेसियों ने यह भी आरोप लगाया है कि पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी लाइन से अलग रहे या अन्य दलों,विशेषकर जोगी कांग्रेस से आए कुछ नेताओं को प्रमुख जिम्मेदारियाँ दी गई हैं। वहीं लंबे समय से सक्रिय और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, वरिष्ठजनों का कहना है कि इससे पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा और असंतोष की भावना बढ़ी है।

परामर्श प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

सूत्रों के अनुसार कार्यकारिणी गठन के दौरान पूर्व विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से कोई व्यापक औपचारिक परामर्श नहीं किया गया। चर्चा है कि सूची प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) को भेजे जाने के बाद, पीसीसी के संकेत पर जिलाध्यक्ष द्वारा औपचारिकता निभाते हुए कुछ नाम पूछे गए। इससे संगठन के भीतर संवाद की कमी और पारदर्शिता पर भी सवाल उठने लगे हैं।

आगे क्या होगा? संगठन के सामने चुनौती

लगातार उठ रहे आरोपों और बढ़ते असंतोष के बीच अब निगाहें प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर टिकी हैं, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते संगठनात्मक असंतुलन और नाराजगी को दूर नहीं किया गया, तो इसका असर आगामी चुनावी तैयारियों पर पड़ सकता है,फिलहाल सूरजपुर कांग्रेस के भीतर जारी यह विवाद केवल पदों के बंटवारे तक सीमित नहीं दिख रहा,बल्कि यह संगठनात्मक अनुशासन, नेतृत्व स्वीकार्यता और भविष्य की रणनीति से भी जुड़ा बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं का उत्सव:सिरौली में तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पूर्व विधायक गुलाब कमरो

गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष शरण सिंह, पूर्व जनपद सदस्य रफीक मेमन, संभागीय जनजातीय अध्यक्ष परमेश्वर गुरुजी, आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमोल सिंह मरावी,सांसद प्रतिनिधि अमर सिंह, जनपद सदस्य श्रीमती पूजा कोल, सरपंच मदन सिंह, शफीउल्ला, फारूक भाई सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, खेल प्रेमियों, ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या ने आयोजन को सफल बनाया।

खेलों से जागी नई ऊर्जा

तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता ने सिरौली ग्राम पंचायत में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया,ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने का यह प्रयास आने वाले समय में क्षेत्रीय स्तर पर और बड़े खेल आयोजनों का मार्ग प्रशस्त करेगा, सिरौली का यह आयोजन एक बार फिर साबित कर गया कि गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं,बस अवसर और सहयोग की आवश्यकता है।

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़/सिरौली, 14 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। ग्राम पंचायत सिरौली में नवयुवक मंडल खेल समिति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का आज उत्साहपूर्ण समापन हुआ,प्रतियोगिता के तृतीय दिवस आयोजित फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया, समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक गुलाब कमरो उपस्थित रहे, तीन दिनों तक चले इस आयोजन में खेल भावना, अनुशासन और ग्रामीण प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। मैदान में सुबह से ही खेल प्रेमियों और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा वातावरण उत्सव में बदल गया।

पुरुष एवं महिला कबड्डी मुकाबले रहे आकर्षण का केंद्र

पुरुष वर्ग के कबड्डी फाइनल मुकाबले में चिराईपानी टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भौता टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया, महिला वर्ग के फाइनल में लकरापारा टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया, गोंडवाना फाइटर बेलकामार टीम द्वितीय और नौगोई टीम तृतीय स्थान पर रही, विजेता एवं उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पारंपरिक खेलों की भी रही झलक

प्रतियोगिता में केवल कबड्डी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण परंपराओं से जुड़े विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया, घड़ा फोड़, रस्साकसी, कुर्सी दौड़, सूई-धागा प्रतियोगिता, 100 एवं 200 मीटर दौड़ और सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में गांव के युवक-युवतियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, इन प्रतियोगिताओं ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया तथा ग्रामीण संस्कृति की झलक प्रस्तुत की।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

मुख्य अतिथि गुलाब कमरो ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है,जरूरत केवल सही मंच और प्रोत्साहन की है,उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन,आत्मविश्वास और सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं, उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण अंचल में नई ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को नशे एवं अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखने में सहायक होते हैं।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ते ही शिव की भक्ति में लीन हुए अरिजीत सिंह

शिवरात्रि से पहले रिलीज किया नया गाना

अरिजीत सिंह ने हाल ही में प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास का ऐलान किया था और अब अपने इस ऐलान के बाद अपना पहला गाना रिलीज कर दिया है। इसी के साथ अरिजीत ने इंडिपेंडेंट सिंगिंग की ओर अपना पहला कदम भी उठा लिया है।

अरिजीत सिंह ने कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ऐलान किया था कि वह प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले रहे हैं। उनके इस फैसले ने उनके फैंस को निराश कर दिया था। 27 जनवरी को अपने इस अनाउंसमेंट से अरिजीत सिंह ने पूरे देश को चौंका दिया था। सिंगर के फैंस को तो लग रहा था कि अब वह उनके गाने सुन ही नहीं सकेंगे, लेकिन सिंगर ने साफ कर दिया कि वह सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले रहे हैं, फ्री सिंगिंग और सिंगल से उन्होंने दूरी नहीं बनाई है। जनवरी में उन्होंने ये ऐलान किया था और अब अरिजीत सिंह ने महाशिवरात्रि 2026 से पहले एक नया गाना जारी करते हुए फैंस को सरप्राइज कर दिया है।

अरिजीत सिंह ने जारी किया नया गाना

अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास के ऐलान के बाद अपना पहला गाना रिलीज किया है, जो कोई आम ट्रैक नहीं बल्कि भगवान शिव की शक्ति और भक्ति में सराबोर एक शिव भजन है। खास बात तो ये है कि अरिजीत सिंह ने इस गाने का किसी भी तरह से प्रमोशन भी नहीं किया, बल्कि चुपचाप इसे बस रिलीज कर दिया है। अरिजीत सिंह का ये गाना उनके आध्यात्मिक पक्ष को दिखाता है और दिलचस्प बात तो ये है कि बिना किसी प्रमोशन के भी इस गाने को कुलाखों व्यूज मिल गए हैं।

अरिजीत का नया गाना ओह शिव मेरे

महाशिवरात्रि से पहले, अरिजीत सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर ओह शिव मेरे नाम का एक शिव भजन रिलीज किया है, जिसके बोल गीतकार कुमार ने लिखे हैं। गाने को यूट्यूब पर रिलीज होने के बाद अब तक लाखों व्यूज मिल चुके हैं। कुमार ने एक्स पर ये वीडियो शेयर किया और लिखा- इस गाने को अपनी खूबसूरत आवाज से सजाने के लिए अरिजीत सिंह को बहुत-बहुत धन्यवाद। गाने पर अब अरिजीत सिंह के फैंस भी जमकर रिएक्टर कर रहे हैं और उनकी तारीफ कर रहे हैं।

गाने पर लोगों के रिएक्शन

ओह शिव मेरे के रिलीज होने के बाद यूजर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक ने कमेंट करते हुए लिखा- अरिजीत की आवाज सच में एक अलग ही असर छोड़ती है। इस गाने में जो आध्यात्मिकता झलकती है, वह हमारी सोच से भी परे है। एक अन्य ने लिखा- अरिजीत भजन गा रहे हैं? वह फिर अपने पुराने अंदाज में लौट आए हैं। मुझे बहुत खुशी हो रही है। ऐसे ही कई अन्य यूजर्स ने भी गाने पर रिएक्ट करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। बता दें, गाने का संगीत मंदीप पंघाल ने तैयार किया है और कोरस में पीयूष रंजन, सोनम पाठक, साक्षी होलकर और मंदीप पंघाल की आवाज हैं।

तू या मैं ही नहीं,वो 5 सर्वाइवल थ्रिलर जो वीकेंड बिंज वॉच के लिए हैं बेस्ट,कहानी देख रुक जाएंगी सांसें

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की तू या मैं 13 फरवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज हुई थी। अगर आपको भी यह फिल्म पसंद आई है तो ये 5 सर्वाइवल थ्रिलर जरूर देखने चाहिए।

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की तू या मैं 13 फरवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज हुई थी। शाहिद कपूर की ओ रोमियो के साथ क्लैश के बावजूद, इस सर्वाइवल थ्रिलर को पॉजिटिव रिव्यू मिले। सर्वाइवल थ्रिलर फिल्में एक सब-जॉनर हैं,जो ऐसे किरदारों पर फोकस करती हैं जो जिंदा रहने के लिए बहुत मुश्किल,जानलेवा हालात से लड़ते हैं। ये फिल्में बहुत ज्यादा टेंशन पैदा करती हैं और साइकोलॉजिकल सहनशक्ति और सस्पेंस पर फोकस करती हैं। अगर आपको सर्वाइवल थ्रिलर देखना पसंद है तो आपको इसी जॉनर की दूसरी हिंदी फिल्में भी देखना चाहिए। इस लिस्ट में आमिर और एनएच 10 जैसी फिल्में शामिल हैं।

1. टेबल नंबर 21

राजीव खंडेलवाल की टेबल नंबर 21 एक ऐसे कपल की कहानी है जो एक गेम शो में खिंचे चले आते हैं। चीजें तब उलट जाती हैं,जब गेम उनके लिए सिर्फ एक सर्वाइवल से ज्यादा बन जाता है, जिससे बचने का कोई रास्ता नहीं होता। यह जी5 पर स्ट्रीम हुई थी।

2. कौन?

उर्मिला मातोंडकर और मनोज बाजपेयी स्टारर कौन? 1999 में थिएटर में रिलीज हुई थी। यह एक ऐसी औरत के बारे में है जो घर पर अकेली रहती है और एक सीरियल किलर के भाग जाने के बारे में जानती है। यह यूट्यूब पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल है।

3. एनएच 10

एनएच 10,जिसमें अनुष्का शर्मा और नील भूपालम हैं। यह एक ऐसे कपल की कहानी है, जिनकी रोड ट्रिप क्रिमिनल्स के एक रुप से मुठभेड़ के बाद एक अचानक मोड़ ले लेती है। आप इसे जी5 और अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

4. आमिर

इसमें राजीव खंडेलवाल लीड रोल में हैं। आमिर एक डॉक्टर की कहानी है,जिसे एक मिस्टीरियस कॉलर टेररिस्ट कॉन्सपिरेसी में मजबूर करता है। इसका निर्देशन राज कुमार गुप्ता ने किया है। यह यूटीवी स्पॉटबॉय की पहली फिल्म थी,जो 20 मिलियन के बजट में बनी थी।

5. ट्रैप्ड

विक्रमादित्य मोटवानी की डायरेक्ट की हुई ट्रैप्ड एक कॉल सेंटर एम्प्लॉई की कहानी है, जो बिना जरूरत के एक अपार्टमेंट में फंस जाता है। राजकुमार राव स्टारर यह मूवी जी5 पर स्ट्रीम होती है। राजकुमार राव ने फिल्म में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसके लिए उन्हें 63वें फिल्मफेयर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स) का पुरस्कार मिला।

तू या मैं ओटीटी रिलीज

तू या मैं थिएटर में खत्म होने के बाद नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट ऑफिशियली अनाउंस नहीं की है।

अभिषेक बच्चन ने 14.5 करोड़ में बेचा अपना अपार्टमेंट

रियल एस्टेट से खेल की दुनिया तक खूब छाप रहे नोट

अभिषेक बच्चन ने मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में स्थित अपना एक लग्जरी डूप्लेक्स अपार्टमेंट बेच दिया है। इसे उन्होंने 14.5 करोड़ रुपये में बेचा है। कुछ रिपोर्ट्स में इसे घाटे का सौदा बताया जा रहा है, पर एक्टर रियल एस्टेट से लेकर खेल की दुनिया तक में खूब नोट छाप रहे हैं। अभिषेक बच्चन इस वक्त अपनी प्रॉपर्टी की डील को लेकर भी चर्चा बटोर रहे हैं। उन्होंने मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में स्थित अपना लग्जरी डुप्लेक्स बेच दिया है। यह डील 14.5 करोड़ रुपये में हुई है, जिसकी रियल एस्टेट मार्केट में काफी चर्चा है। जैप्की को मिले रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक,इस अपार्टमेंट का कुल कार्पेट एरिया 2,249 स्क्वायर फुट है। यह अपार्टमेंट महालक्ष्मी के प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट गोदरेज प्लैनेट के टावर-4 की 40वीं और 41वीं मंजिल पर स्थित है।इस डील को 12 फरवरी को रजिस्टर किया गया था। इसमें साथ में तीन कार पार्किंग स्लॉट भी हैं। इस अपार्टमेंट की डील करीब 64,473 हजार रुपये प्रति स्क्वायर फुट की दर से तय की गई है। मालूम हो कि महालक्ष्मी के गोदरेज प्लैनेट प्रोजेक्ट की गिनती मुंबई के टॉप प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स में की जाती है। यह पांच टावर वाला प्रोजेक्ट है, जिसमें 2, 3 और 5 बीएचके के 300 से ज्यादा लग्जरी अपार्टमेंट्स हैं।

रियल एस्टेट की दुनिया में अभिषेक का दबदबा

अभिषेक बच्चन का रियल एस्टेट की दुनिया में काफी दबदबा बताया जाता है। स्क्रीन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अभिषेक बच्चन ने रियल एस्टेट में 219 करोड़ रुपये लगाए हुए हैं। साल 2025 में ही अभिषेक बच्चन ने मुंबई के बोरीवली इलाके में 15.4 करोड़ रुपये में छह अपार्टमेंट खरीदे थे। इससे पहले 2024 में अभिषेक ने पिता अमिताभ बच्चन के साथ मिलकर मुलुंड में 10 लग्जरी अपार्टमेंट्स खरीदे थे, जिनकी कुल कीमत 24.95 करोड़ रुपये थी। इनमें से 8 अपार्टमेंट्स का कार्पेट एरिया 1049 स्क्वायर फुट था और दो का 912 स्क्वायर फुट।

2020-24 तक रियल एस्टेट में लगाए 200 करोड़ से अधिक रुपये

साल 2024 में आई स्क्वायर याड्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन ने बीते चार सालों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की प्रॉपर्टी खरीदी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिषेक बच्चन की नेट वर्थ 280 करोड़ रुपये है। अगर बच्चन परिवार की कुल नेट वर्थ की बात करें,तो हुरुन रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक, यह 1630 करोड़ रुपये है, जो लगातार बढ़ रही है।

खेल की दुनिया में लगाया पैसा,छाप रहे नोट,इतनी है फीस

प्रॉपर्टी के अलावा अभिषेक ने खेल की दुनिया में भी खूब पैसा लगाया है और नोट छाप रहे हैं। उनकी फुटबॉल और कबड्डी की टीम है। सबसे पहले अभिषेक ने कबड्डी टीम जयपुर पिंक पैंथर्स खरीदी थी,जिससे एक्टर ने 100 गुना अधिक रिटर्न पाया था। इसके अलावा अभिषेक बच्चन ने फुटबॉल टीम चेन्नईयन एफसी और इंडियन सुपर लीग में भी निवेश किया है। बाद में अभिषेक ने पिता अमिताभ के साथ मिलकर साल 2015 में मेरिडियन टेक नाम की एक टेक कंपनी में पैसे लगाए थे। फिल्मों और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी अभिषेक अच्छी-खासी कमाई करते हैं। वह एक फिल्म के लिए 10-15 करोड़ रुपये लेते हैं।

उर्मिला मातोंडकर ने बताया कि पूरी जिंदगी वेलेंटाइन डे ज़ोन में कैसे रहें

जहां हर कोई वैलेंटाइन डे मनाने में बिज़ी है, वहीं एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने बताया कि कोई अपनी पूरी जिंदगी वैलेंटाइन डे ज़ोन में कैसे रह सकता है। उर्मिला ने बताया कि हर समय उस प्यार भरे ज़ोन में रहने के लिए, हमें जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों में खुश रहने की आदत डालनी होगी। कोन एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जो इंसान दूसरों के साथ अच्छा और दयालु बनकर खुशी पा सकता है, उसके लिए हर दिन वैलेंटाइन डे है।

अपने प्यारे दोस्त के साथ पोज़ देती हुई अपनी एक प्यारी सी फ़ोटो पोस्ट करते हुए, उन्होंने कैप्शन लिखा, हर दिन वैलेंटाइन...हां...अगर आप छोटी-छोटी चीज़ों से खुश होते हैं, अगर अच्छाई और दयालुता आपके दिल को कोमलता से भर देती है और किसी के लिए कुछ भी अच्छा करने से आपका दिन बेहतर हो जाता है, तो आप अपनी पूरी

जिंदगी हर दिन वैलेंटाइन डे ज़ोन में रह सकते हैं । सभी को वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं देते हुए, उन्होंने कहा, हैप्पी वैलेंटाइन डे प्यारे लोगों...जितना हो सके प्यार करने वाले, दयालु और हमदर्द बने रहें। इस बीच, उर्मिला 4 फरवरी को 52 साल की हो गईं और उनके इस खास दिन पर उनके चाहने वालों ने उन्हें ढेर सारी प्यारी-प्यारी शुभकामनाएं दीं। इतने सारे प्यार से खुश होकर,उर्मिला ने शेयर किया कि जिंदगी दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने के बारे में होनी चाहिए। जन्मदिन पर मिले सभी प्यार के लिए शुक्रिया अदा करते हुए, उन्होंने फोटो-शेयरिंग ऐप पर लिखा, मेरा दिल बहुत शुक्रगुजार है और मेरी दुनिया बिना शर्त प्यार से भरी है जो मुझे आप सभी से मिलता है और मैं इसे आप सभी प्यारे लोगों में बांटती हूं!! उन्होंने आगे कहा,जिंदगी हमेशा लाखों छोटे-छोटे पलों के बारे में होनी चाहिए जब आप ज़्यादा से ज़्यादा चेहरों पर एक छोटी सी मुस्कान ला सकें। भगवान की कृपा से मुझे ऐसी कई यादें मिली हैं। और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि मुझे और भी कई मौके मिलें जब मैं किसी भी तरह से दूसरों के लिए कुछ अलग कर सकूं...आप सभी के प्यार, सपोर्ट, अच्छाई और तारीफ़ के लिए धन्यवाद।

अल्लू सिरीश का क्यूटेश नयनिका के लिए वैलेंटाइन डे पोस्ट दिल जीत रहा

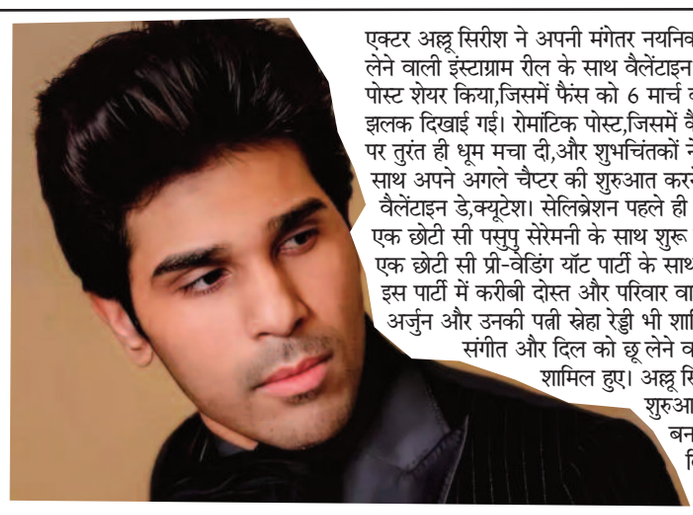

एक्टर अल्लू सिरीश ने अपनी मंगेतर नयनिका रेड्डी को डेडिकेट करते हुए एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली इंस्टाग्राम रील के साथ वैलेंटाइन डे मनाया। शनिवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया,जिसमें फैंस को 6 मार्च को होने वाली शादी से पहले अपनी लव स्टोरी की एक झलक दिखाई गई। रोमांटिक पोस्ट,जिसमें कैंडिड मोमेंट्स और प्यार भरा प्यार था, ने सोशल मीडिया पर तुरंत ही धूम मचा दी,और शुभचिंतकों ने कपल को दुआएं देना शुरू कर दिया क्योंकि वे एक साथ अपने अगले चैप्टर की शुरुआत करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैप्पी वैलेंटाइन डे,क्यूटेश। सेलिब्रेशन पहले ही ट्रेडिशनल तरीके से शुरू हो चुका है, शादी की रस्में कल एक छोटी सी पसुपु सेरेमनी के साथ शुरू हुईं। इससे पहले,अल्लू सिरीश और नयनिका ने दुबई में एक छोटी सी प्री-वेडिंग यॉट पार्टी के साथ अपनी शादी का सेलिब्रेशन ऑफिशियली शुरू किया। इस पार्टी में करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल हुए, जिसमें अल्लू सिरीश के भाई,सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी भी शामिल थे, जो दुबई के शानदार स्काईलाइन के सामने हंसी, संगीत और दिल को छू लेने वाले पलों से भरे सेलिब्रेशन के लिए कपल के साथ शामिल हुए। अल्लू सिरीश ने बताया,इस तरह से हमारी शादी के सेलिब्रेशन की शुरुआत करना बिल्कुल मैजिकल लगा। मेरे दोस्त इसका हिस्सा बनने के लिए यूपी,मुंबई, बेंगलुरु से आए थे,जिससे उनके लिए हैदराबाद से मेरे दोस्तों से मिलने और उनके साथ समय बिताने का यह एक शानदार मौका बन गया।

खेल समाचार

आयरलैंड ने ग्रूप बी के मैच में ओमान को 96 रन से हराया

कोलंबो,14फरवरी 2026। कप्तान लोर्कन टकर की शानदार बैटिंग और जोशुआ लिटिल की शानदार बॉलिंग की बदौलत आयरलैंड ने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में टी 20 वर्ल्ड क प 2026 के करो या मरो वाले ग्रूप बी मुकाबले में ओमान को 96 रन से हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए, कप्तान टकर (94), गैरेथ डेलानी (56) और जॉर्ज डॉकरेल के 9 गेंदों पर 35 रन की मदद से आयरलैंड ने 235/5 का स्कोर बनाया,जो इस टी 20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा और सभी एडिशन में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। फिर,जोशुआ लिटिल (3-16), मैथ्यू हम्फ्रीज़ (2017) और बैरी मैकार्थी (2-32) ने ओमान को 18 ओवर में 139 रन पर रोककर बड़ी जीत पक्की कर दी। 236 रन के टारगेट का पीछा करते हुए,ओमान ने अच्छी शुरुआत की और सिर्फ़ दो ओवर में

21 रन बनाए,जिसमें कप्तान जतिंदर सिंह और आमिर कलीम शानदार फॉर्म में दिख रहे थे। इससे पहले कि वे अच्छी शुरुआत का फ़ायदा उठा पाते, आयरलैंड ने तीसरे ओवर में लगातार दो विकेट लेकर कप्तान जतिंदर और आशीष ओडेदरा को सिर्फ़ तीन गेंदों में पवेलियन भेज दिया। हालांकि,अनुभवी बैटर आमिर क्रीज़ पर डटे रहे और हम्माद मिर्ज़ा के साथ 73 रन की पार्टनरशिप की।

अफगानिस्तान टीम के परफॉर्मेंस एनालिस्ट केसी रामासुब्रमण्यम को हार्ट अटैक आया

नई दिल्ली,14 फरवरी 2026। 2026 आईसीसी मेन्स टी 20 वर्ल्ड कप अब तक अफ़गानिस्तान के लिए अच्छा नहीं रहा है। अफ़गानिस्तान के टी 20 वर्ल्ड कप कैंपेन ने पहले ही कई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इस बीच, अफ़गानिस्तान के परफॉर्मेंस एनालिस्ट केसी रामासुब्रमण्यम को नई दिल्ली में हल्का हार्ट अटैक आया है। मुंबई मिरर के मुताबिक, सुब्रमण्यम ने बुधवार को सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें राजधानी के फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उनकी एंजियोप्लास्टी हुई और वे खतरे से बाहर हैं। सूत्रों ने अखबार को बताया, अफ़गानिस्तान टीम

के परफॉर्मेंस एनालिस्ट को कल सीने में दर्द महसूस हुआ। उन्हें हल्का हार्ट अटैक आया और उन्हें तुरंत फोर्टिस हॉस्पिटल ले जाया गया। उनकी एंजियोप्लास्टी हुई,वे खतरे से बाहर हैं और अब ठीक हैं।

इंग्लैंड की इस टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी जीत

स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया बैटन ने नाबाद 63 रन बनाए,रशीद को 3 विकेट

कोलकाता,14फरवरी 2026। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए दिन के दूसरे मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में 5 विकेट गंवाकर मैच

अपने नाम कर लिया।

इंग्लैंड की इस टूर्नामेंट में तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। इससे पहले 8 फरवरी को टीम ने नेपाल को रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हराया था। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं,स्कॉटलैंड की तीन मैचों में यह दूसरी हार रही। इससे पहले उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

बैटन ने नाबाद 63 रन की पारी खेली टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने 41 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। विल जैक्स 10 बॉल पर 16 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनके अलावा जैकब बेथेल ने 32, सैम करन ने 28, हैरी ब्रूक ने 4, जोस बटलर ने 3 और फिल सॉल्ट ने 2 रन बनाए। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैक्मुलेन, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी और माइकल लीस्क को 1-1 विकेट मिला।

रिची बेरिंगटन ने 49 रन बनाए

स्कॉटलैंड के लिए कप्तान रिची बेरिंगटन अर्धशतक चूक गए। उन्होंने 32 बॉल पर 49 रन बनाए। उनके अलावा माइकल जोन्स 33, टॉम ब्रूस 24 और ओलिवर डेविडसन नाबाद 20 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद ने 3, लियम डॉसन और जोफ्रा आर्चर ने 2-2 विकेट लिए। जैमी ओवरटन और सैम करन को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंग्लैंडः-फिल सॉल्ट,जोस बटलर (विकेटकीपर),जैकब बेथेल,टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक (कप्तान),सैम करन, विल जैक्स, लियम डॉसन, जैमी ओवरटन,जोफ्रा आर्चर और आदिल रशीद।

स्कॉटलैंडः- जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैक्मुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, माइकल लीस्क, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), मार्क वॉट, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी।

अभिषेक शर्मा पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे

कोलंबो,14 फरवरी 2026। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शनिवार को कन्फर्म किया कि ओपनर अभिषेक शर्मा, जो नामीबिया के खिलाफ टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे मैच में नहीं खेल पाए थे,खेलने के लिए फिट हैं और आर. प्रेमदासा स्टेडियम में ग्रूप ए के अहम मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे।अभिषेक को सोमवार को पेट में इन्फेक्शन के कारण नई दिल्ली के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था,जो उन्हें मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ मैच के दौरान हुआ था। अभिषेक की गैरमौजूदगी में,संजू सैमसन ने अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ ओपनिंग की, जिसमें उन्होंने आठ गेंदों पर 22 रन बनाए,और अगर जरूरत पड़ी तो वह यह रोल दोबारा

निभा सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या अभिषेक रविवार को खेलेंगे,सूर्यकुमार ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हाँ, वह खेलेंगे। हमेशा प्रेशर रहता है। इंडिया-पाकिस्तान के साथ, यह ज़्यादातर एक मौके जैसा होता है। हम कितना भी कहें कि यह कोई दूसरा गेम है, प्रेशर में रहना इंसानी आदत है क्योंकि यह कोई दूसरा गेम नहीं है। हम उनके साथ अक्सर नहीं खेलते हैं। इसलिए प्रेशर हमेशा रहता है। इसके अलावा, इस हाई-इंटेंसिटी मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि मौसम के अनुमान के मुताबिक कोलंबो में रविवार को बारिश की बहुत ज़्यादा संभावना है। बारिश की बात को कम आंकते हुए, सूर्यकुमार ने कहा,मौसम ऐसी चीज़ है जिसे हम कंट्रोल नहीं कर सकते। अच्छा क्रिकेट खेलना ही हमारे कंट्रोल में है। हमारे घर पर भी ऐसे ही विकेट हैं। हमने यहाँ बहुत क्रिकेट खेला है। हम यहाँ के हालात से वाकिफ हैं।

आमिर कलीम टूर्नामेंट के इतिहास में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

कोलंबो,14 फरवरी 2026। ओमान के सबसे अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम ने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने तीसरे मैच में आयरलैंड के खिलाफ सिर्फ 28 गेंदों पर 50 रन बनाकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। आमिर ने ओमान के लिए पारी की शुरुआत की जब वे मौजूदा टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए 236 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरे। आमिर ने दूसरी गेंद पर चौका और चौथी गेंद पर छक्का लगाकर पारी की शुरुआत की। जब दूसरी तरफ विकेट गिर रहे थे, आमिर डटे रहे और हम्माद मिर्जा के साथ 73 रनों की पार्टनरशिप की।

44 साल और 86 दिन की उम्र में, आमिर कलीम ने सिर्फ 28 गेंदों में अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की, जिसमें उन्होंने अपनी पारी के दौरान पांच चौके और दो छक्के लगाए। दुर्भाग्य से, वह इसे बड़ी पारी में नहीं बदल

सके और बैरी मैकार्थी की तेज बाउंसर पर आउट हो गए। इस पारी के साथ, उन्होंने अपने टीम के साथी मोहम्मद नदीम का सबसे ज़्यादा उम्र में हाफ-सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। नदीम ने यह माइलस्टोन टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंका के खिलाफ 43 साल और 161 दिन की उम्र में फिफ्टी बनाकर बनाया था।

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव

रजनीश बने अध्यक्ष अनिल सचिव निर्वाचित हुए

बिलासपुर,14 फरवरी 2026। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के 2026-2028? सत्र के लिए हुए चुनाव के नतीजे जारी कर दिए गए। इसमें एडवोकेट रजनीश सिंह ने अपने करीबी प्रतिद्वंदी राजीव श्रीवास्तव को हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। वहीं सचिव पद पर अनिल त्रिपाठी निर्वाचित हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गौतम खेत्रपाल व महिला उपाध्यक्ष पद पर मांडवी भारद्वाज विजयी रहे। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार एसोसिएशन के कुल 1418 पंजीकृत मतदाताओं में से 1213 मतदाताओं ने मतदान किए। इनकी गिनती सुबह 10 बजे से शुरू हुई। 17 विभिन्न पदों के लिए कुल 61 उम्मीदवार मैदान में थे। सबसे अधिक 7 प्रत्याशी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ें। इनमें रजनीश सिंह ने राजीव श्रीवास्तव को 137 वोटों से शिकस्त देकर अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसी प्रकार संयुक्त सचिव एडवोकेट विजय साहू, संयुक्त सचिव (महिला), आस्था शुक्ला, पुस्तकालय सचिव राहुल मिश्रा, खेल सचिव (पुरुष)अमन पांडेय व खेल सचिव (महिला) प्रज्ञा पांडेय निर्वाचित हुई। परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय तथा अधिवक्ता सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

ये बने कार्यकारिणी सदस्य : कार्यकारिणी के 5 पदों के नतीजे भी घोषित कर दिए गए हैं। इसमें एडवोकेट अभिषेक पांडेय, त्रिवेणी शंकर साहू, आशुतोष मिश्रा, शरद मिश्रा, उज्ज्वल चौबे को जीत मिली। नई कार्यकारिणी का गठन जल्द किया जाएगा।

कांकेर के जंगल से हथियारों का जखीरा बरामद

कांकेर,14 फरवरी 2026। जिले में सुरक्षा बल के जवानों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सर्चिंग में निकले जवानों को कांकेर नारायण सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा डंप किया गया बड़ी मात्रा में हथियार और आईईडी बरामद हुआ है। सुरक्षा बलों की कार्यवाही से नक्सलियों द्वारा भविष्य में घटित की जा सकने वाली बड़ी नक्सली घटना टल गई है। बस्तर रेंज में नक्सलियों को समाप्त करने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान लगातार जारी है। आईजी पी सुन्दराज के निर्देशन और एसपी कांकेर निखिल राखेचा के मार्गदर्शन में पुलिस बल के द्वारा नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में बीएसएफ डीआईजी ओम प्रकाश प्रभारी राघवेंद्र सिंह सेनानी 94 वीं वाहिनीं बीएसएफ का भी सहयोग मिल रहा है। 13 फरवरी को कांकेर- नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में थाना छोटेबेठिया क्षेत्रांतर्गत ग्राम बीनागुंडा के पास नक्सलियों के द्वारा डंप किया गया हथियार, विस्फोटक,नक्सल साहित्य और अन्य सामग्री मिली। सामग्रियों को जब्त करने के साथ थाना छोटेबेठिया में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बीजीएल लांचर-2, 12 बोर- 2, एयरगन- 1, डायरेक्शन आईईडी-3, टिफिन आईईडी लगभग 5 किग्रा-1, बीजीएल बम-30, 12 बोर राउण्ड -26, बारुद प्लास्टिक पैकेट मे लगभग 2 किग्रा, मल्टी मीटर-1, पटाखा-12 पैकेट, बिजली वायर-2 बंडल, पोच-2, स्पिलंटर - 1 पैकेट।

धमतरी में बड़ा हादसा...ट्रक से टकराई कोबरा बटालियन के जवानों की कार, 4 जवानों का निधन

धमतरी,14 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र में शनिवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। ग्राम खपरी बाईपास के पास 201 कोबरा बटालियन के जवानों की कार की ट्रक से भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में बटालियन के 4 जवानों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के मुताबिक, 201 कोबरा बटालियन के जवान जगदलपुर से एक डिज़ायर कार में सवार होकर आ रहे थे। खपरी बाईपास के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर ट्रक से भिड़ गई। भिड़ंत इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और जवान अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही अर्जुनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर की मदद से कार को काटकर जवानों को बाहर निकाला गया।

हादसे में दो जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, वहीं दो अन्य जवानों की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हो गई। एक अन्य घायल जवान को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने सभी दिवंगत जवानों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में कोबरा बटालियन के जवानों के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया गहरा शोक...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है। यह अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुरक्षाबलों का डबल एक्शन...6 नक्सली स्मारक ध्वस्त

ताड़पाला हिल्स से आईईडी व भारी विस्फोटक बरामद

बीजापुर,14 फरवरी 2026। नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर में सुरक्षाबलों ने लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। थाना मोदकपाल और थाना उसूर क्षेत्र में संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए जवानों ने 6 माओवादी स्मारकों को ध्वस्त कर दिया, वहीं ताड़पाला हिल्स से बड़ी मात्रा में आईईडी और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। शनिवार को मोदकपाल पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सघन सर्चिंग के दौरान माओवादियों द्वारा बनाए गए प्रतीकात्मक स्मारकों को तोड़कर उनका अस्तित्व खत्म कर दिया। इससे पहले शुक्रवार को थाना उसूर क्षेत्र के ताड़पाला हिल्स इलाके में केरिपु 196 वाहिनी और कोबरा 204 की टीम ने छापेमारी कर डंप में छिपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री, राशन और अन्य माओवादी सामान जब्त किया।

डंप से बरामद सामग्री

13 डेटोनेटर, 11 किलोग्राम गन पाउडर, 4 प्लास्टिक ड्रम, 2 स्टील ड्रम, 2 लोहे के ड्रम व माओवादी वर्दी, जूते, कैप, डोरी, यूएसबी केबल, सोलर प्लेट और साहित्य, एरिया डॉमिनेशन के दौरान जवानों ने जमीन में दबाकर रखे गए 13 बीयर बोतल आईईडी (प्रेशर स्विच सिस्टम) और एक डायरेक्शन आईईडी भी मौके से बरामद किया। इसके अलावा टेकमेटला कुंजामपारा क्षेत्र में निर्मित एक और माओवादी स्मारक को ध्वस्त किया गया।

गांव में लगा चलित थाना, ग्रामीणों से सीधा संवाद

अभियान के दौरान ग्राम पंगुड़ में सीआरपीएफ बी/62 वाहिनी और मोदकपाल पुलिस ने चलित थाना लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जवानों ने साइबर जागरूकता अभियान चलाकर ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को लेकर लोगों को जागरूक किया। ग्रामीणों ने 'भारत माता की जय' के नारों के साथ सुरक्षाबलों का उत्साह बढ़ाया।

आयुष्मान के नए पोर्टल ने बढ़ाई निजी अस्पतालों की टेंशन...कागजी कार्रवाई में उलझे प्रबंधन को मिली 2 दिन की मोहलत

रायपुर,14 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत योजना के नए पोर्टल पर स्विच करने की प्रक्रिया निजी अस्पतालों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। भारी-भरकम दस्तावेजों को अपलोड करने में आ रही तकनीकी दिक्कतों और धीमी गति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आनन-फानन में डेटा फीडिंग की समय सीमा 15 फरवरी तक बढ़ा दी है। यदि अस्पताल समय पर पोर्टल पर जानकारी अपलोड नहीं करते हैं, तो आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों के इलाज और क्लेम भुगतान में बाधा आ सकती है। समय सीमा बढ़ने से रायपुर सहित पूरे प्रदेश के सैकड़ों अस्पतालों को राहत मिली है, जिससे मरीजों का उपचार बिना किसी तकनीकी रुकावट के जारी रह सकेगा। शुक्रवार शाम तक रायपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में केवल 15 निजी

अस्पतालों के संचालक ही अपने लैपटॉप और दस्तावेज लेकर पहुंचे थे। पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने की प्रक्रिया काफी धीमी रही, क्योंकि दस्तावेजों की संख्या अधिक होने और नए पोर्टल की तकनीकी जटिलताओं के कारण डेटा सिंक होने में समय लग रहा था। यही स्थिति प्रदेश के अन्य जिलों में भी देखी गई। नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य मुख्यालय को जिला अधिकारियों से मिली फीडबैक के बाद देर शाम समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा लॉन्च किए गए इस नए पोर्टल में कई पुराने मापदंड बदल दिए गए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)